रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:74 | गुरूवार,20 नवम्बर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में न्यूनतम तापमान में कमी, रात में लग रही भारी कनकनी

संवाददाता

रांची।राजधानी रांची सहित कई जिलों में पिछले चार - पांच दिनों से न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई है।इससे ठंड में हल्की कमी आई है, हालांकि रात में भारी कनकनी महसूस की जा रही है।पिछले चार - पांच दिनों में जहां खूंटी में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस था वह बुधवार को बढ़कर 11.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार रांची में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से बढ़कर बुधवार को 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। विभाग ने अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की है। वहीं मौसम विभाग ने आनेवाले दिनों में रांची और आसपास के इलाकों में रात और सुबह में कुहासा छाने कीआशंका व्यक्त की है।

धनबाद के भाजपा एमएलए राज सिन्हा चुने गए उत्कृष्ट विधायक

संवाददाता

धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा को उत्कृष्ट विधायक चुना गया है। विधानसभा के रजत जयंती समारोह में 22 नवंबर को उन्हें राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सम्मानित करेंगे। बुधवार को स्पीकर रबींद्रनाथ महतो के आवासीय कार्यालय में उत्कृष्ट विधायक चयन समिति की हुई बैठक में राज सिंह को उत्कृष्ट विधायक चुनने पर मुहर लगी। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल आदि मौजूद रहे। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि विधानसभा स्थापना दिवस इस बार खास है। रजत जयंती समारोह के अवसर पर चयनित सभी लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इस साल स्थापना दिवस पर सम्मानित होने वालों में उत्कृष्ट विधायक के रूप में धनबाद विधायक राज सिन्हा को राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया जाएगा।

सीबीआई ने हाजीपुर रेलवे डिप्टी चीफ इंजीनियर सहित 4 लोगों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

नई दिल्ली : सीबीआई ने पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के डिप्टी चीफ इंजीनियर (निर्माण) आलोक कुमार सहित चार लोगों को 98 लाख 81 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि रेलवे अधिकारी ठेकेदार कंपनी को घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने की छूट देकर सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगा रहे थे।सीबीआई के अनुसार, एजेंसी ने 17 नवंबर को जाल बिछाया था। डिप्टी चीफ इंजीनियर के दफ्तर के ठीक बाहर से पूरी रकम 8 अलग- अलग लिफाफों, पैकेटों और थैलियों में बंद मिली, जिन पर अलग-अलग कोड-नेम लिखे हुए थे।

झारखंड विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस पर राज सिन्हा को मिलेगा उत्कृष्ट विधायक का पुरस्कार

संवाददाता

रांची। धनबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक राज सिन्हा को उत्कृष्ट विधायक के रूप में सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान झारखंड विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। राज सिन्हा धनबाद विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधायक चुने गए हैं।उनके जरिये किए गए उत्कृष्ट कार्यों और क्षेत्र की जनता के प्रति उनकी समर्पण भावना को देखते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया है।झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह में उत्कृष्ट विधायक को 51 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। यह सम्मान राशि राज्यपाल प्रदान करेंगे। इसके अलावा प्रशस्ति पत्र, शॉल, मोमेंटो भी प्रदान किया जाएगा। इन्हे वर्ष 2025 के लिए भगवान बिरसा मुण्डा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राज सिन्हा 2014 के विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक बने और उन्होंने कांग्रेस के मन्नान मल्लिक को 52,000 से भी अधिक वोटों से हराया था।इसके बाद 2019 के चुनाव में भी उन्होंने मन्नान मल्लिक को 30,000 से अधिक

वोटों से हराया।2025 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार अजय कुमार दुबे को 48 हजार से अधिक मतों से शिकस्त दी। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं मोमेंटो के साथ 21,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान करेंगे। इस साल विधानसभा के छह कर्मियों को उत्कृष्ट कर्मी का सम्मान दिया जाएगा। इन सभी कर्मियों को स्वर्गीय कपिलेश्वर प्रसाद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उत्कृष्ट विधायक चयन समिति की बैठक विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में कांके रोड स्थित उनके आवास पर बुधवार को हुई। समिति के सदस्य के रूप में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, स्टीफन मरांडी, रामचंद्र सिंह, नवीन जायसवाल, पत्रकार दीर्घा समिति के संयोजक आनंद मोहन, विधानसभा के प्रभारी सचिव-सह-सदस्य सचिव माणिक लाल हेम्ब्रम मौजूद रहे। समारोह को दो सत्रों में बांटा गया है। पहले सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि दूसरे सत्र में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इस मौके पर बॉलीवुड गायक रूप कुमार राठौर और हास्य कवि दिनेश बावरा अपनी प्रस्तुति देंगे।

नीतीश कुमार की ताजपोशी आज

गांधी मैदान में होगा भव्य समारोह, पीएम मोदी समेत 11 राज्यों के सीएम होंगे शामिल

नई सरकार बनाने का दावा पेश, गांधी मैदान में समारोह, 10वीं बार लेंगे ओथ

एजेंसी

पटना : बिहार में नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। गुरूवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होगा। नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। कल गुरुवार को वे 10वीं बार सीएम पद की शपथ लेंगे। वहीं सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया। अब नई सरकार में एक डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी होंगे। वहीं उपनेता एक बार फिर से विजय कुमार सिन्हा का चुन लिया गया है। शपथ समारोह सुबह 11.30 बजे गांधी मैदान में होगा। समारोह के लिए 2 मंच बनाए गए हैं। इसमें प्रधानमंत्री मोदी समेत 11 राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह

- 10वीं बार शपथ लेंगे नीतीश कुमार
- आज 11.30 बजे होगा शपथ ग्रहण समारोह
- 150 मेहमानों को भेजा गया निमंत्रण
- सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा बनेंगे डिप्टी सीएम
- गांधी मैदान में बना है दो मंच
- चिराग-मांझी की पार्टी और रालोमो भी नई सरकार का होंगी हिस्सा

चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा समेत 150 मेहमानों को भी निमंत्रण भेजा गया। इससे पहले बिहार विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। वहीं, सुबह 11 बजे पटना के बीजेपी ऑफिस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना गया है। विजय सिन्हा को विधानमंडल का उपनेता चुना गया है। मतलब सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा दोनों डिप्टी सीएम होंगे। जानकारी के मुताबिक, नीतीश के साथ-साथ सम्राट और विजय सिन्हा भी डिप्टी सीएम की शपथ ले सकते हैं। इधर, बीजेपी के विधायक दल की बैठक से पहले जदयू

बिहार का और ज्यादा विकास करेंगे : नीतीश

एनडीए विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, पहले से हमारा राज्य काफी आगे बढ़ा है और भी खूब आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री भी घूम-घूम कर काम करते हैं। उनका सहयोग भी मिल रहा है। बिहार का और ज्यादा विकास होगा। हमलोगों को और ज्यादा मजबूती से काम करना होगा। बिहार को पिछले बीस साल में यहां के लोगों को गरीबीको निकाला है।

मोरहाबादी मैदान में 28 नवंबर को होगा नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

संवादाता

रांचीः रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 28 नवंबर को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहायक आचार्य, डेंटल डॉक्टर, कीट पालक सहित अन्य पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटेंगे। उल्लेखनीय है कि 28 नवंबर को हेमंत सरकार के कार्यकाल एक साल पूरा भी हो जाएगा। गृह सचिव वंदना दादेल ने रांची जिला प्रशासन को वर्षगांठ को लेकर विशेष तैयारी करने का निर्देश दिया है। साथ ही संबंधित विभागों को जेपीएससी और जेएसएससी से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आवश्यक तैयारीपूरी करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री का पलामू दौरा 21 को, डीसी-एसपी ने स्थल का लिया जायजा

पलामू। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 21 नवम्बर को पलामू दौरे पर आयेंगे। जिले के नीलाम्बर पीताम्बरपुर प्रखंड क्षेत्र के महावीर मोड़ पर आपकी योजना, आपकी सरकार आ पके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे। कई बड़ी योजनाओं के आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। परिसंपत्ति का वितरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री के पलामू परिभ्रमण को लेकर उपायुक्त समीरा एस व एसपी रीष्मा रमेशन ने बुधवार को नीलाम्बर-पीतांबरपुर में विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया।

झारखंड विधानसभा का रजत जयंती समारोह होगा खास, तैयारी तेज

25 साल के सफर को यादगार बनाने की चल रही तैयारियां

एजेंसी

रांची : झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने बुधवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में 22 नवंबर को आयोजित होने वाले झारखंड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) स्थापना दिवस समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समारोह में आने वाले अतिथियों के आगमन, आवास और यातायात की व्यवस्था सुव्यवस्थित एवं भव्य होनी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं रांची जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। 22 नवंबर 2000 को स्थापित विधानसभा अपने 25 साल के सफर को यादगार बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियाँ कर रही है। 22 नवंबर को विधानसभा परिसर में दिनभर विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संबोधित करेंगे। आयोजन को दो सत्रों में विभाजित किया गया है-सम्मान सत्र और सांस्कृतिक संध्या। पहला सत्र : सम्मान समारोह राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। शहीदों के आश्रितों को भी सम्मान प्रदान होगा। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और तीरंदाजी में नवंबर 2023 से अब तक मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल के हाथों 'उत्कृष्ट विधायक' सम्मान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मियों को सम्मानित करेंगे। इसके लिए विशेष चयन समिति का गठन किया गया है। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने मंगलवार को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि समारोह में सभी वर्तमान एवं पूर्व विधायक-यहां तक कि बिहार विभाजन के समय के विधायक भी-आमंत्रित किए गए हैं। दूसरा सत्र : सांस्कृतिक संध्या शाम को विधानसभा परिसर रोशनी और रंगारंग प्रस्तुतियों से जगमगा उठेगा।

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई अमेरिका से भारत लाया गया, एनआईए ने किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी सहयोगी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित कराया। दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एनआईए ने बताया कि अनमोल बिश्नोई साल 2022 से फरार था और एनआईए द्वारा जांचे जा रहे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े गैंगस्टर नेटवर्क का 19वां आरोपित है जिसे गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने मार्च 2023 में दायर अपनी चार्जशीट में बताया था कि अनमोल ने साल 2020 से 2023 के बीच अपने भाई लॉरेंस बिश्नोई और नामित आतंकी गोल्डी बराड़ की विभिन्न आतंकी गतिविधियों में सक्रिय मदद की थी। जांच में सामने आया है कि अनमोल बिश्नोई अमेरिका में रहते हुए भी बिश्नोई गैंग के सहयोगियों के साथ मिलकर गिरोह के आतंक नेटवर्क को संचालित करता रहा और भारत में आतंकी गतिविधियां करवाता रहा। उसने गैंग के शूटरों व जमीनी गुर्गों को पनाह दी और लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया था। वह विदेश में बैठकर अन्य गैंगस्टरों की मदद से भारत में रंगदारी वसूली में भी शामिल था। एनआईए अभी इस मामले (आरसी 39/2022/एनआईए/डीएलआई) की जांच कर रही है, जिसमें एजेंसी का उद्देश्य आर्तकियों, गैंगस्टरों और हथियार तस्करों के गठजोड़ को खत्म करना और उनके नेटवर्क व फंडिंग चैनलों को ध्वस्त करना है।

जी20 शिखर प्रधानमंत्री मोदी जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने 21-23 नवंबर को जोहान्सबर्ग जाएंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी की किसान निधि की 21वीं किस्त, कहा- जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर भारत

एजेंसी

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि बिहार की हवाएं उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई हों। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा। विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को

सत्ता से हटाने के लिए प्रयास कर रहा है। दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता में कमी आई है और जैविक खेती को पूरी तरह से समर्थन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती न केवल मृदा समस्याओं के समाधान हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कोयंबटूर पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे से सीओडीआईएसएसआईए मैदान तक उन्होंने लगभग दो किलोमीटर लंबा रोड शो किया। सड़क के दोनों ओर खड़े हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया,

छात्राओं के विजन की सराहना

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री की नजर दो छात्राओं पर पड़ी, जो देश के आर्थिक परिवर्तन को लेकर अपने विचार तख्तियों पर लिखकर दिखा रही थीं। प्रधानमंत्री ने सुरक्षाकर्मियों से वे तख्तियां मंगवाईं और छात्राओं के विचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं का यह दृष्टिकोण भारत के भविष्य की ताकत है।दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और उससे जुड़ी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने पीएम किसान सम्माननिधि की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त के तहत देशभर के 9 करोड़ किसानों के खातों में 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई।

दुबई एयर शो में रूसी कंपनी रॉस्टेक के सीईओ सेर्गेई केमेजोव ने किया एलान

भारत को एसयू-57 फाइटर जेट्स देगा रूस, तकनीक भी बिना शर्त करेगा ट्रांसफर

एजेंसी

भारत को एसयू-57 स्टेल्थ फाइटर जेट्स देने के लिए रूस तैयार हो गया है। दुबई एयर शो में रूसी कंपनी रॉस्टेक के सीईओ सेर्गेई केमेजोव ने कहा कि वे इन फाइटर जेट्स की तकनीक भी बिना शर्त ट्रांसफर करेंगे। रूसी एसयू-57 जेट्स को अमेरिका के एफ-35 कातोड़ माना जाता है। एसयू-57 की तरह एफ-35 भी 5वीं जेनरेशन का लड़ाकू विमान है। अमेरिका लंबे समय से भारत को एफ-35 बेचनाचाह रहा है। रूस से यह आश्वासन ऐसे समय आया है जब भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में मॉस्को में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। पुतिन अगले महीने भारत आने वाले हैं। सीईओ सेर्गेई केमेजोव ने कहा कि भारत और रूस कई दशकों से भरोसेमंद डिफेंस साझेदार रहे हैं। जब भारत पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे थे, तब भी रूस ने भारत की सुरक्षा के लिए हथियार सप्लाई करना जारी रखा था। उन्होंने कहा- आज भी हम वही पॉलिसी अपना रहे हैं।

देवघर में प्रवचनकर्ता प्रदीप मिश्रा के कार्यक्रम में शामिल हुए योग गुरु बाबा रामदेव, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

रांची, संवाददाता ।

देवभूमि कहे जाने वाले देवघर में बुधवार को भक्ति का सैलाब देखने मिला. प्रसिद्ध प्रवचनकर्ता प्रदीप मिश्रा और योग गुरु बाबा रामदेव के दर्शन करने के लिए लाखों लोग देवघर के कोठिया मैदान में उमड़ पड़े. बाबा धाम पहुंचने के बाद, योग गुरु रामदेव ने सबसे पहले बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर प्रदीप मिश्रा के कार्यक्रम में शामिल हुए. प्रदीप मिश्रा के कार्यक्रम के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि भविष्य में प्रदीप मिश्रा सभी बारह ज्योतिलिंगों में प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम होगा और पूरा देश शिवमय हो जाएगा. उन्होंने कहा कि एक तो देवघर भगवान भोलेनाथ की धरती है और दूसरा यहां पर शिव कथा का कार्यक्रम, दोनों के समागम ने देवघर की धरती पर श्रद्धा की बयार ला दी है. प्रदीप मिश्रा का प्रवचन सुनने आए लोगों ने कहा कि सभी को प्रसिद्ध प्रवचनकर्ता प्रदीप मिश्रा को करीब से सुनने की लालसा थी. देवघरवासियों का वह सपना पूरा हुआ.

लोगों की भीड़ को देखकर बाबा रामदेव ने जिला प्रशासन और पुलिस टीम का भी आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि देवनगरी देवघर में अगर शिव कथा का आयोजन हो रहा हो, तो सारी व्यवस्था भगवान शिव स्वयं संभालते हैं. बाबा नगरी में जिस तरह से समिति के सदस्यों और पुलिस प्रशासन ने इतनी बड़ी भीड़ को संभाला है, वह काबिले तारीफ है. उन्होंने कहा कि लाखों की भीड़ के बावजूद, हर भक्त अनुशासन में बंधा हुआ है. इससे पता चलता है कि देव नगरी में रहने वाले लोग भगवान शिव की पूजा करते हुए सचमुच अनुशासन में बंधे हैं. बाबा रामदेव और उनकी टीम ने प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम सुनने आए लोगों को रोजाना योग करने की सलाह दी. लोगों को संबोधित करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि बाबा नगरी में लोगों की मान्यता है कि भगवान के चरणों में दो लोटा जल चढ़ाने से सभी समस्याओं का हल हो जाता है. वैसे ही योग करने से शरीर के सभी रोग दूर हो जाते हैं.

झारखंड के विकास में नाबार्ड की भूमिका और सहकारिता पर विस्तृत चर्चा, मल्टी पर्पस सेंटर के रूप में विकसित होंगे पैक्स और लैम्प्स

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के 25 वर्ष पूरे होने और वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष मनाए जाने को लेकर आज रांची में सहकारिता सम्मेलन सह नाबार्ड झारखंड की स्थापना का रजत पर्व मनाया गया. झारखंड में नाबार्ड के 25 वर्ष पूरा होने पर रांची के होटल बीएनआर में आयोजित सहकारिता सम्मेलन में राज्य के कृषि, पशुपालन और सहकारिता सचिव अबु बकर सिद्दीकी, नाबार्ड की सीजीएम दीपमाला घोष, झारखंड के सहकारिता निदेशक शशिरंजन, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एससी दुबे, आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक सहित कई गणमान्य लोगों ने राज्य के विकास में नाबार्ड की भूमिका और सहकारिता पर विस्तृत चर्चा की.

राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में असीम संभावनाएं: सचिव

राज्य के कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबु बकर सिद्दीकी ने कहा कि नाबार्ड के झारखंड में आने के बाद राज्य के किसान अधिक मजबूत हुए हैं. उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर फिनांस का जब भी नाम आएगा उसमें नाबार्ड का नाम आएगा. राज्य के किसानों को आसानी से लोन देने के लिए नाबार्ड ने बेहतर कार्य किया है. राज्य में केसीसी लोन को 50 हजार से बढ़ाकर 2 लाख किए जाने पर सचिव ने कहा कि राज्य के किसानों के लिए ये सुविधा जल्द उपलब्ध होगी. इसपर बैंकर्स और किसानों से चर्चा की जा रही है.

झारखंड में अपनी जिम्मेदारी निभाता रहा है नाबार्ड- सीजीएम

वहीं नाबार्ड की सीजीएम दीपमाला घोष ने कहा कि झारखंड में नाबार्ड की कई योजनाएं संयुक्त बिहार के समय से चल रही हैं. उन्होंने कहा कि वॉटर शेड की योजना एक ऐसी योजना है, जिसकी शुरूआत संयुक्त बिहार के समय हजारीबाग से की गई थी. नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला ने कहा कि सहकारिता आंदोलन को कैसे आगे बढ़ाया जाए इसपर कार्य किए जा रहे हैं. वर्ल्ड लार्जेस्ट ग्रीन गोदाम बनाने की दिशा में झारखंड भी आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि 1500 पैक्स को कंप्यूटराइज्ड किया गया है और अगले चरण में 1300 और पैक्स को कंप्यूटराइज्ड किये जाने की योजना है.

मल्टी पर्पस सेंटर के रूप में विकसित होंगे पैक्स और लैम्प्स

झारखंड नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला ने कहा कि सहकारिता यानी को-ऑपरेटिव के फलक को बढ़ाने की योजना के तहत अब पैक्स-लैम्प्स को मल्टी पर्पस सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना पर नाबार्ड आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि अब लैम्प्स- पैक्स में जनऔषधि केंद्र भी खोले जाएंगे. राज्य में सहकारिता विभाग द्वारा 72 स्थानों पर 2500 मीट्रिक टन का गोदाम बनाये जाने की योजना में नाबार्ड आर्थिक सहयोग करेगा.

10 पैक्स-लैम्प्स के अध्यक्ष-सीईओ को किया गया सम्मानित

नाबार्ड की रजत जयंती कार्यक्रम और सहकारिता सम्मेलन में राज्य के 10 सर्वश्रेष्ठ पैक्स-लैम्प्स को सम्मानित किया गया. आज जिन-जिन जिलों के पैक्स-लैम्प्स को सम्मानित किया गया उसमें लोहरदगा, चतरा, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, सरायकेला खरसावां के लैम्प्स-पैक्स शामिल हैं.

81 जरूरतमंद बच्चों के बीच बांटे गए गर्म कपड़े

रांची, संवाददाता ।

कांके स्थित मदरसा अरबिया तजवीदुल कुरान के 81 बच्चो के बीच गर्म कपडे वितरण किए गए. द काल्ड इज बोल्ड-एन इनिशिएटिव बाय माही योजना के तहत कार्यक्रम किए गए.इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी किए गए. सही उत्तर देने वाले को पुरस्कार के रूप में गर्म स्वेटर दिए गए.इस मौके पर सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पूर्व महाप्रबंधक (जीएम) आलोक ने इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने कहा, सीसीएल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने हमेशा शिक्षा और सामाजिक विकास को प्राथमिकता दी है.सीसीएल ने अतीत में भी ग्रामीण शिक्षा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. हुसिर अंजुमन के अध्यक्ष सुलेमान अंसारी और उपाध्यक्ष मोहम्मद शकील अंसारी ने कहा, समाज के हर वर्ग को इसमें योगदान देने की जरूरत है.माही के सचिव मतीउर रहमान कहा, स्कूलों में पेंटिंग, निबंध लेखन, स्पीच, क्विज प्रतियोगिताएं कराए जाते है.इसके अलावा शैक्षणिक-सांस्कृतिक मेलों का आयोजन भी होता है.ठंड के इस महीने में कई होनहार बच्चे स्वेटर, जूते और यूनिफॉर्म के अभाव में स्कूल छोड़ देते हैं. इसलिए प्रतियोगिताओं के जरिए इन सामग्रियों को पुरस्कार के रूप में वितरित किया जाता है. इस साल भी हमारा लक्ष्य 1000 जरूरतमंद विद्यार्थियों तक स्वेटर पहुंचाना है. कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य जमील अख्तर, सीसीएल के पूर्व जीएम आलोक जी, माही उपाध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह, अंजुमन इस्लामिया रांची के कार्यकारिणी शाहिद अख्तर टुकलू और मोहम्मद नजीब, आदि थे।

झारखंड विधानसभा रजत जयंती समारोह को लेकर तैयारी तेज, शहीदों का सम्मान व सितारों की महफिल से सजेगा 22 नवंबर का जश्न

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा अपनी 25वीं वर्षगांठ यानी रजत जयंती समारोह की भव्य तैयारियों में जुट गई है. आज विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ महतो ने अपने कार्यालय कक्ष में विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर पूरे कार्यक्रम की समीक्षा की. उन्होंने साफ निर्देश दिए कि झारखंड की गौरवमयी यात्रा को यादगार बनाने के लिए समारोह का आयोजन भव्य और अनुशासित तरीके से किया जाए. 22 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह में राज्य के गौरव-शहीद पुलिसकर्मियों और सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा.

सीमा पर शहादत देने वाले जवानों, नक्सल अभियान में शहीद हुए वीरों तथा शांतिकाल में वीरता पदक प्राप्त पुलिसकर्मियों को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा. इसके साथ ही राज्य के पदक विजेता खिलाड़ियों और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले राष्ट्रपति पदक प्राप्त व्यक्तियों को भी मंच पर सम्मान मिलेगा. सभी पूर्व विधानसभा अध्यक्षों और पूर्व विधायकों को भी समारोह में विशेष सम्मान दिया जाएगा. शाम 6 बजे से विधानसभा प्रांगण पूरी तरह रंगारंग माहौल में डूब जाएगा. सांस्कृतिक कार्यक्रम में बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक रूप कुमार राठौर अपनी मधुर आवाज से समां बांधेंगे. हास्य कवि डॉ दिनेश बावरा और हास्य कलाकार रविन्द्र जॉनी अपनी कविताओं की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मोहित करेंगे. वहीं, झारखंड की लोक संस्कृति को जीवंत करने के लिए प्रमान्द नन्दा, मृणालनी अखोरी, टॉम मुर्मू और सुमी श्रेया द्वारा लोकगीत और लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी. कार्यक्रम स्थल पर आगंतुकों के आगमन, आवास और यातायात की व्यवस्थाओं को लेकर भी अध्यक्ष ने कड़े निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि रजत जयंती

उत्कृष्ट विधायक को 51 हजार व उत्कृष्ट कर्मियों को मिलेगी 21 हजार की सम्मान राशि

झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह में उत्कृष्ट विधायक को 51 हजार रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी. यह सम्मान राशि राज्यपाल प्रदान करेंगे. इसके अलावा प्रशस्ति पत्र, शॉल, मोमेंटो भी प्रदान किया जाएगा. इस साल उत्कृष्ट विधायक के लिए राज सिन्हा का चयन किया गया है. वहीं विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मियों को सीएम प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं मोमेंटो के साथ 21,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान करेंगे. इस साल विधानसभा के छह कर्मियों को उत्कृष्ट कर्मी का सम्मान दिया जाएगा. इन सभी कर्मियों को स्वर्गीय कपिलेश्वर प्रसाद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. उत्कृष्ट विधायक चयन समिति की बैठक स्पीकर रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में हुई. समिति के सदस्य के रूप में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, स्टीफन मरांडी, रामचंद्र सिंह, नवीन जायसवाल पत्रकार दीर्घा समिति के संयोजक आनंद मोहन, विधानसभा के प्रभारी सचिव-सह-सदस्य सचिव, माणिक लाल हेम्ब्रम मौजूद रहे.

मैट्रिक व इंटर परीक्षा शुल्क वृद्धि वापस लेने की मांग को लेकर आजसू ने जैक को सौंपा ज्ञापन

रांची, संवाददाता ।

अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के प्रतिनिधिमंडल ने आज झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा के नाम एक ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल ने खअउ सचिव जयंत कुमार मिश्रा से मुलाकात कर मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा शुल्क में की गई बढ़ोतरी को तुरंत वापस लेने की मांग रखी. आजसू ने अपने ज्ञापन में बताया कि जैक की आधिकारिक वेबसाइट और विभिन्न अखबारों से यह जानकारी सामने आई है कि वर्ष 2025-26 की मैट्रिक और इंटर परीक्षा के लिए परिषद ने शुल्क में वृद्धि की है. संगठन ने इस बढ़ोतरी को छात्रों और अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताया. आजसू के अनुसार, झारखंड में पहले ही लाखों छात्र छात्रवृत्ति से वंचित हैं, ऐसे में परीक्षा शुल्क बढ़ाना उचित नहीं है. संगठन ने मांग की कि शुल्क को पूर्ववत रखा जाए और बढ़ोतरी तुरंत वापस ली जाए. साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि परिषद शुल्क वृद्धि वापस नहीं लेता, तो संगठन विद्यार्थियों के हित में आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगा. वार्ता के दौरान खअउ सचिव जयंत कुमार मिश्रा ने सभी बिंदुओं को ध्यानपूर्वक सुना और भरोसा दिलाया कि परिषद की आगामी बैठक में आजसू की मांगों को गंभीरता से रखा जाएगा.

झारखंड में 1 दिसंबर से शुरू होगी धान की खरीद ! 60 लाख क्विंटल का है टारगेट

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में इस साल एक दिसंबर से ही राज्य में धान की खरीद शुरू होने की संभावना है. विभाग का मानना है कि समय पर इसकी शुरूआत होने से बिचौलियों से किसानों को बचाया जा सकता है और सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में धान उपलब्ध हो सकेगा. हालांकि इस संदर्भ में राज्य सरकार के द्वारा बोनस राशि और तिथि का निर्धारण होना बाकी है. झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार कहते हैं कि पिछले साल की तरह इस बार भी 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जिसे लेकर जिला स्तर पर लैम्प्स-पैक्स में तैयारियां की जा रही हैं. उन्होंने कहा कि पिछले साल केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 100 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मिले थे यानी जो आम धान का एमएसपी 2,369 रुपये है, उस पर 100 रुपये जोड़कर किसान को 2,469 रुपये और ग्रेड-अ धान पर 2,489 रुपये तक मिले थे. इस साल सरकार का निर्णय आना बाकी है.

धान क्रय के लिए सरकार बैंक से लेगी 1000 करोड़ का ऋण

राज्य में इस साल भी किसानों से धान खरीद के लिए सरकार बैंकों से लोन लेगी. इसकी प्रक्रिया शुरू की जा रही है. झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार के अनुसार, पिछले साल की ही तरह इस बार भी करीब 1000 करोड़ का ऋण लिया जायेगा. जेएसएफसी के पास पहले से कुछ पैसे हैं जिससे इसकी शुरूआत की जायेगी. मगर, इन सबके बीच बैंक से करीब 1,000 करोड़ का ऋण लिया जायेगा. क्योंकि इस बार तीन दिनों के अंदर किसानों के धान का पैसा उनके खाते में भेज देना है. गौरतलब है कि पिछले साल सरकार ने बैंक ऑफ इंडिया से ऋण लिया था, जिसका भुगतान किया जा चुका है. बहरहाल, इस बार राज्य में धान की बंपर पैदावार होने की संभावना जताई जा रही है. ऐसे में बिचौलियों से बचाने के लिए सरकार ने कई ऐसे कदम उठाए हैं जिससे किसान सरकार को धान बेचने के प्रति उत्साह दिखायेंगे.

नगर निगम पर मनमानी वसूली का आरोप, ऑटो चालकों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रांची, संवाददाता ।

ऑटो चालक यूनियन ने नगर निगम पर अवैध पार्किंग शुल्क वसूली का गंभीर आरोप लगाया है. यूनियन के अध्यक्ष अर्जुन यादव और महासचिव सुनील कुमार सिंह ने आज राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है और कार्रवाई की मांग की है. यूनियन का कहना है कि ऑटो रिक्शा के लिए रांची नगर निगम ने केवल राउट रोड में एक अधिकृत पार्किंग स्थल तय किया है, जिसका पार्किंग शुल्क 30 रुपये निर्धारित है. लेकिन ऑटो चालकों से 35 रुपये वसूला जा रहा है. इसी तरह अशोक चौक, न्यू मार्केट, आईटीआई बस स्टैंड और एनएच-33 पर भी बिना अनुमति के 25 से 35 रुपये तक पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है. कई बार शिकायत की गई. लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की. इससे नाराज होकर ऑटो चालक यूनियन ने आज विरोध प्रदर्शन भी किया. साथ ही यूनियन ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया है कि नगर निगम व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए. यूनियन ने कहा कि अवैध वसूली से ऑटो चालकों की आमदनी प्रभावित हो रही है और तत्काल समाधान जरूरी है.

जैक ने की अप्रत्याशित फीस वृद्धि, मैट्रिक-इंटर के करीब 8 लाख विद्यार्थी होंगे प्रभावित

रांची, संवाददाता ।

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने 2026 में होने वाले मैट्रिक-इंटर की परीक्षा के लिए शुल्क में भारी वृद्धि की है. जैक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार परीक्षा शुल्क में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है. इस संबंध में जैक ने साल 2026 के फरवरी महीने में होने वाले मैट्रिक-इंटर की परीक्षा के लिए भरे जा रहे आवेदन के साथ बढ़ी हुई दर से परीक्षा शुल्क लेने का निर्देश सभी स्कूलों को दिया है. गौरतलब है कि जैक बोर्ड की बैठक में परीक्षा शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी. जाहिर है नई दरों के लागू होने के बाद छात्र-छात्राओं को अब पुराने शुल्क के मुकाबले अधिक राशि देनी होगी.

18 नवंबर से शुरू हुआ मैट्रिक-इंटर के फार्म भरने की प्रक्रिया

राज्य में जैक बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के बढ़े हुए परीक्षा शुल्क के साथ फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. मैट्रिक-इंटर दोनों परीक्षा के लिए आवेदन बिना विलंब शुल्क के 18 नवंबर से 5 दिसंबर तक भरे जायेंगे. जबकि विलंब शुल्क के साथ जैक ने 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक फॉर्म भरने का समय निर्धारित किया है. जैक द्वारा जारी नये परीक्षा शुल्क की बात करें तो 2026 मैट्रिक परीक्षा में शामिल होने वाले नियमित छात्राएं, SC, ST, BC-I, BC-II वर्ग को अब 980 रुपए देने होंगे. वहीं सामान्य और एहर वर्ग को 1180 रुपये और प्राइवेट छात्र-छात्राओं को भी 1180 रुपए देने होंगे. जबकि विलंब शुल्क 500 रुपये अतिरिक्त सभी कोटि के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है. इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए नए शुल्क की बात करें तो नियमित छात्राएं, SC, ST, BC-I, BC-II वर्ग के लिए 1100 रुपये, सामान्य और एहर वर्ग के 1400 रुपए और प्राइवेट छात्र-छात्राओं को 1400 रुपये देने होंगे. जबकि लेट फीस 500 रुपए सभी कोटि के लिए अतिरिक्त लगेगा. इसके अलावा जैक ने रिजल्ट सुधार व दोबारा परीक्षा के शुल्क में भी बढ़ोतरी की है. फीस बढ़ोतरी से राज्य के करीब 8 लाख विद्यार्थियों पर इसका असर पड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है. गौरतलब है कि राज्य में साल 2026 की जैक बोर्ड परीक्षा फरवरी के प्रथम सप्ताह में शुरू होने की संभावना है.

सिल्ली विधायक अमित महतो से नाराज हैं पार्टी कार्यकर्ता, कहा- नहीं सुनते हैं बात

रांची, संवाददाता ।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय में रांची के सिल्ली प्रखंड झामुमो कमेटी के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे थे. उन्होंने झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय से मिलकर अपनी पीड़ा सुनाई. सिल्ली से आए कार्यकताओं ने कहा कि वहां के विधायक अमित महतो द्वारा पार्टी कार्यकताओं की ही उपेक्षा की जाती है. पार्टी कार्यकताओं की शिकायत के बाद पार्टी कार्यालय के बंद हॉल में विनोद पांडेय ने सभी से उनकी समस्या सुनी. मिली जानकारी के अनुसार पार्टी के सिल्ली से जुड़े नेताओं ने कहा कि पार्टी के विधायक और प्रशासन से जुड़े लोग हमारी नहीं सुनते हैं. सिल्ली से आये झामुमो के कई पंचायत से लेकर प्रखंड तक के नेताओं ने विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार बढ़ने और अधिकारियों की मनमानी की भी शिकायत झामुमो महासचिव से की.

सिल्ली के झामुमो पदाधिकारियों की बात सुनी, जल्द उनकी समस्या होगी दूरः विनोद पांडेय

सिल्ली से आये झामुमो नेताओं कार्यकताओं से उनकी शिकायत सुनने के बाद विनोद पांडेय ने मीडिया से बातचीत की. उन्होंने कहा कि सिल्ली के पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक के पार्टी से जुड़े लोग आए थे. उनके संगठन और अन्य शिकायत थी. जिसे उन्होंने सुना है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसे जल्द ही दूर किया जाएगा.

सिल्ली से झामुमो के विधायक हैं अमित महतो

सिल्ली विधानसभा क्षेत्र से झामुमो के मौजूदा विधायक अमित महतो हैं. वह पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू प्रमुख सुदेश महतो को हराकर जीता था. अमित महतो को लेकर पार्टी के सिल्ली प्रखंड के नेताओं में नाराजगी को पार्टी ने गंभीरता से लिया. इसके साथ ही विवाद को समाप्त करने के लिए खुद केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय लगे हुए हैं.

पार्किंग स्थल पर चल रही फास्ट फूड दुकान, लग रहा जाम

रांची। शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए नगर निगम काफी मशक्कत कर रहा है. हर दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए जा रहे है. बावजूद इसके दुकानदार रोड पर अतिक्रमण कर लेते है. रोड पर वाहन खड़े किए जा रहे है. राहगीरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. न्यू डेली मार्केट में सैकड़ों मोबाईल दुकानें है. इसके ठीक सामने पार्किंग की व्यवस्था की गई है. लेकिन ग्राहक रोड पर वाहन खड़ा करते है. इसके वजह से रोड पूरी तरह से संकरी हो जाती है. जाम से निजात दिलाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान हर दिन चल रहा है. नगर निगम कार्रवाई भी कर रहा है. पार्किंग चार्ज दस रूपया लगता है. इसे बचाने के लिए लोग सड़क पर पार्किंग करते है. इसके वजह से सैकड़ो दुपहिया वाहन जैसे-तैसे खड़े किए जाते है. पार्किंग स्थल पर फास्ट फूड के दुकान भी चलाए जा रहे है.

चेंबर और सीए सोसाइटी ने ईएसआईसी आउटरीच कार्यक्रम का किया आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रांची सीए सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को चेंबर भवन में ईएसआईसी के आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, (ईएसआईसी) भारत सरकार के अंतर्गत श्रम और रोजगार मंत्रालय जो संगठित क्षेत्रों में कार्यरत वैसे श्रमिक जिनकी मासिक आय 21 हजार रुपये या इससे से कम है, उन्हें स्वयं और उनके आश्रितों को एक मजबूत बहुमुखी सामजिक सुरक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम में बीमा निगम की ओर से से बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा ने विशेष रजिस्ट्रेशन अभियान स्प्री योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में बीमायुक्त के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत किसी नियोजन और व्यापारी को अपने रजिस्ट्रेशन के लिए किसी भी तरह का दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करना है और पिछले पांच वर्षों की कोई भी देनदारी इस अभियान के तहत नहीं आती है। यह छूट 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक है। उन्होंने सभी नियोजकों से आग्रह किया कि वह इस अभियान के साथ अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर पिछले देनदार और परेशानी से बचें। नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण पहल है अभियान : अध्यक्ष वहीं मौके पर चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि ईएसआईसी की ओर से चलाया जा रहा विशेष रजिस्ट्रेशन अभियान (स्प्री) संगठित क्षेत्र के नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से न केवल श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था से जोड़ने में सहजता होगी, बल्कि व्यापारियों और उद्योगों को भी पुराने बोझ, दायित्वों एवं जटिल प्रक्रियाओं से राहत मिलेगी। हम चेंबर की ओर से ईएसआईसी टीम का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने हमारे बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। चेंबर के श्रम और ईएसआईसी उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत ने नियोक्ताओं से आग्रह किया कि वे इस विशेष अभियान का लाभ उठाकर समय पर रजिस्ट्रेशन कराएं और श्रमिक-हित तथा उद्योग-हित दोनों कोसुरक्षित करें।

रांची सीए सोसाइटी के अध्यक्ष प्रवीण सिन्हा ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से रांची सीए सोसाइटी चेंबर व्यापार जगत की समस्याओं को सरल बनाने का प्रयास जारी रखेगा। मौके पर बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा ने सभी एंपलॉयर से इस योजना का अधिकतम फायदा उठाने की अपील की। मौके पर ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन ने नियोजकों के सभी प्रश्नों का उत्तर दिया। बैठक में चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, रांची सीए सोसाइटी के चेयरमैन प्रवीण सिन्हा, उपाध्यक्ष अनिल जैन, चेंबर कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, श्रम एवं ईएसआईसी उप समिति के अध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, सीए पंकज मक्कड़, कुणाल धेलानी, विनय भाकर, विनोद बंका के अलावा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारी, चेंबर ऑफ कॉमर्स के साथ 50से अधिक सीए और व्यापारी शामिल थे।

माही का सराहनीय प्रयास: मदरसा छात्रों को वितरित किए स्वेटर, शिक्षा की राह में बाधाओं को किया दूर

संवाददाता । रांची

रांची। मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) ने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए बुधवार को हुसिर, काँके स्थित मदरसा अरबिया तजवीदुल कुरान के 81 जरूरतमंद बच्चों के बीच स्वेटर वितरित किए। द काल्ड इज बोल्ड-एन इनिशिएटिव बाय माही योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेकर सही उत्तर देने पर पुरस्कार के रूप में गर्म स्वेटर प्राप्त किए। ठंडी के मौसम में यूनिफॉर्म और स्वेटर के अभाव से प्रभावित इन बच्चों के लिए यह कदम न केवल शारीरिक सुख-सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि उनकी पढ़ाई में स्थिरता भी लाएगा।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पूर्व महाप्रबंधक (जीएम) श्री आलोक ने इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने कहा, ₹सीसीएल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने हमेशा शिक्षा और सामाजिक विकास को प्राथमिकता दी है। माही का यह प्रयास न केवल ठंड के मौसम में बच्चों को राहत देगा, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। मैं अपील करता हूं कि कॉर्पोरेट जगत भी ऐसी पहलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले, ताकि झारखंड के हर कोने में शिक्षा की किरण पहुंच सके।₹ उनकी यह टिप्पणी कार्यक्रम को और अधिक प्रासंगिकता प्रदान करती नजर आई, क्योंकि सीसीएल ने अतीत में भी ग्रामीण शिक्षा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शिक्षा के क्षेत्र में

सामाजिक संगठनों की भूमिका को रेखांकित करते हुए माही ने जोर दिया कि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में उचित शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी पहलों की अनिवार्यता है। कार्यक्रम के दौरान हुसिर अंजुमन के अध्यक्ष सुलेमान अंसारी ने कहा, ₹समता और सामाजिक समानता के माध्यम से ही इन बच्चों को शैक्षणिक जीवन में स्थिरता मिलेगी। माही का यह प्रयास न केवल ड्रॉपआउट दर को रोकेगा, बल्कि बच्चों के भविष्य को संजीवनी प्रदान करेगा।₹ उन्होंने स्कूली और मदरसा यूनिफॉर्म की महत्ता पर भी प्रकाश डाला, जो बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित करने वाली प्रमुख बाधा बन रहा है।

हुसिर अंजुमन के उपाध्यक्ष मोहम्मद शकील अंसारी ने माही की इस पहल का समर्थन करते हुए कहा, ₹हम सभी इस इनिशिएटिव को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हर बच्चा शिक्षा का हकदार बन सके। समाज के हर वर्ग को इसमें योगदान देना होगा।

माही के संयोजक एवं वक्फ बोर्ड झारखंड के सदस्य इबरार अहमद ने स्थानीय जिम्मेदारों को बधाई देते हुए भावुक होकर कहा, ₹जाड़े की सख्ती को इन बच्चों के हौसले ने मात दे दी। सुबह के ठंडे पहर में जब लोग चादरों में दुबके रहते हैं, तब ये नन्हे मुन्ने तालीम की जद्दोजहद में लगे रहते हैं। उनकी उपस्थिति ही इसकी साक्षी है। इन बच्चों में असीम संभावनाएं छिपी हैं, जिसकी जिम्मेदारी हम सबकी है ।

समाज के हर व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए: डीडीसी

संवाददाता । रांची

रांची। उपायुक्त के निर्देश पर बुधवार को रांची समाहरणालय भवन में एक दिवसीय रक्तदान शिविर सह मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सौरभ कुमार भुवनिया ने किया। डीडीसी ने कहा कि रक्तदान एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मानवता से जुड़ा कार्य है, जिसके माध्यम से कई जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, एलआरडीसी कार्यालय, एनआईसी रांची, ओरमांझी अंचल कार्यालय, उप समाहर्ता कार्यालय, उपायुक्त का गोपनीय शाखा तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदाताओं में एसडीओ उत्कर्ष कुमार, डीआईओ राजीव रंजन सहित अनेक कर्मी शामिल थे। इसके अलावा सिविल कोर्ट के तीन अधिवक्ताओं ने भी रक्तदान कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचयदिया। शिविर में कुल 26 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया और 44 अधिकारियों एवं कर्मियों की स्वास्थ्य जांच की गई। जिला प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं, तथा सदर अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. रंजू सिन्हा एवं उनकी टीम को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। यह शिविर झारखंड के 25वें स्थापना दिवस।

एमवे इंडिया ने 'न्यूट्रीलाइट विटामिन डी प्लस बोरॉन' लॉन्च किया

संवाददाता । रांची

रांची: एमवे इंडिया, जो स्वास्थ्य और वेलनेस के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है, ने न्यूट्रिलाइट विटामिन डी प्लस बोरॉन लॉन्च किया। यह वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया फॉर्मूलेशन विटामिन ऊका स्तर बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है और हड्डियों तथा इम्यूनिटी को बेहतर करता है।लॉन्च के दौरान एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, रजनीश चोपड़ा ने कहा, ह्लआजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली और धूप के संपर्क में कम रहने के कारण भारत में विटामिन डी की कमी तेजी से बढ़ी है। अध्ययनों से पुष्टि हुई है कि लगभग 80झ्र90% भारतीयों में विटामिन डी का स्तर अपर्याप्त है, जो समय के साथ हड्डियों और समग्र स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, एमवे में हम विज्ञान आधारित न्यूट्रिशन लाइन को बेहतर बना रहे हैं ताकि लोग अपने स्वास्थ्य लक्ष्य हासिल कर सकें। उत्पाद नवाचार पर रणनीतिक रूप से ध्यान देने के तहत, हमें अपने नए उत्पाद ह्यन्यूट्रीलाइट विटामिन डी प्लस बोरॉन को लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है। यह उत्पाद मजबूत हड्डियों और बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी तत्वों के साथ तैयार किया गया है। यह हमारे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के कायाकल्प और लंबे समय तक अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी प्रतिबद्धता केवल सप्लीमेंट तक सीमित नहीं है। हम लोगों को उनका स्वास्थ्य बेहतर बनाने, उनकी ऊर्जा बढ़ाने और उन्हें लंबा ही नहीं बल्कि अधिक स्वस्थ और संतोषपूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।फॉर्मूलेशन की खूबियों पर बात करते हुए, एमवे इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अमृता असरानी ने कहा, यह फॉर्मूलेशन वाकई समग्र स्वास्थ्य की हमारी सोच को दर्शाता है। एमवे में हम आधुनिक विज्ञान पर आधारित उन्नत सप्लीमेंट्स देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि स्वास्थ्य के प्रति सजग आजकल के उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी हो सकें। विटामिन ऊ3 शरीर में कैल्शियम अवशोषण को बेहतर बनाकर हड्डियों की संरचना और घनत्व को मजबूत करता है। बोरॉन विटामिन ऊ के उपयोग को बेहतर बनाता है, जबकि विटामिन ङ2 यह सुनिश्चित करता है कि कैल्शियम वहीं पहुँचे जहाँ उसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता है, यानी हड्डियों में। इसी के साथ, लीकोरिस और क्वेरसेटिन का वह मिश्रण जिसका हमने पेटेंट लिया हुआ है, विटामिन D3 का पूरक बनकर हड्डियों को और भी बेहतर बनाता है।

दिल्ली दंगे: हाईकोर्ट ने पुलिस से मांगी नई रिपोर्ट

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की याचिका पर सुनवाई। सच्चाई जल्द सामने लाकर असली दोषियों को बेनकाब करने की मांग

संवाददाता । रांची

नई दिल्ली, 19 नवंबर, 2025 दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों 2020 के संबंध में दर्ज एफआईआर की नवीनतम जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनोज जैन की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 21 नवंबर के लिए तय की है और पुलिस के वकील ध्रुव पांडे से सभी एफआईआर का पूरा विवरण मांगा है।जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी द्वारा दिल्ली दंगों से संबंधित दंगों की निष्पक्ष और प्रभावी जांच के लिए दायर याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें मांग की गई थी कि पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट या दिल्ली हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपी जाए और इस टीम में दिल्ली पुलिस का कोई भी कर्मी शामिल न हो। गौरतलब है कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद दिल्ली दंगों के पीड़ितों की मदद में हमेशा अग्रणी रही है और वर्तमान में दंगों से संबंधित 267 मुकदमे लड़ रही है। जमीयत के संघर्ष के कारण 586 लोगों को जमानत मिल चुकी है और 90 लोग बाइज्जत बरी हुए हैं। पीड़ितों से मुलाकात के दौरान जमीयत ने महसूस किया कि दंगों के असली दोषियों को छुपाया जा रहा है और निदोर्षों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है।इसलिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकीलों ने आज अदालत में अपना पक्ष मजबूती से रखा और दंगों के दौरान हुई मौतों और तबाही का ब्यौरा पेश किया। अदालत ने कहा कि चूँकि एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और पुलिस जाँच कर रही है, इसलिए इस समय रिट के माध्यम से बहुत कम निर्देश दिए जा सकते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि अगर जाँच में अनियमितता या पारदर्शिता की कमी की कोई समस्या है, तो मामले को संबंधित न्यायाधीश के समक्ष उठाया जाना चाहिए, जिन्हें निगरानी का अधिकार है।इस अवसर पर, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अपने वकील के माध्यम से अदालत में दलील दी कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद की मुख्य चिंता यह है कि जाँच निष्पक्ष रूप से नहीं हो रही है और इसमें पक्षपात के संकेत हैं, जैसा कि अदालतों ने अपने कई फैसलों में बताया है। जमीयत ने जोर देकर कहा कि चूँकि यह मामला देश की राजधानी से जुड़ा होने के कारण संवेदनशील है, इसलिए केवल एक स्वतंत्र, पारदर्शी और अदालत की निगरानी में जाँच ही न्याय की उम्मीद जगा सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि पिछले छह-सात वर्षों में इन याचिकाओं में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है, जबकि एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और पुलिस जाँच कर रही है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से वरिष्ठ वकील जॉन चौधरी और एडवोकेट तैय्यब खान इन मामलों की पैरवी कर रहे हैं, जबकि जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सचिव एडवोकेट नियाज अहमद फारूकी इस मामले की निगरानी कर रहे हैं।

झारखंड के सभी थानों में 31 दिसंबर तक लगेंगे CCTV कैमरे: सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

संवाददातीा

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के पुलिस थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से सभी थानों में उउळश कैमरे लगाने के लिए राज्यों को सख्त निर्देश दिया है। आदेश के अनुपालन में झारखंड सरकार ने भी तैयारी तेज कर दी है। निर्देश के अनुसार राज्य के सभी थानों में 31 दिसंबर तक उउळश कैमरे लगाए जाने हैं।अधिकारियों के मुताबिक, कैमरे लगने से थानों में होने वाली गतिविधियों की निगरानी आसान होगी और आम जनता का भरोसा भी बढ़ेगा। राज्य पुलिस मुख्यालय ने जिलों को आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता व इंस्टॉलेशन प्रक्रिया जल्द पूरी करने का निर्देश दिया है।

सूत्र बताते हैं कि कैमरों के संचालन और रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए विशेष मॉनिटरिंग सेल भी बनाई जाएगी।

पलामू में लापता बच्चे का कुएं से मिला शव, हत्या की आशंका पर हुआ बवाल

लेस्लीगंज थाना के कुन्दरी गांव में दो दिनों से हो रही थी तलाश, पसरा मातम

संवाददातीा

पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुन्दरी गांव के आहार में स्थित कुएं से आठ वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया। बच्चे की पहचान इसी गांव के 8 वर्षीय विवेक कुमार वर्मा, पिता रामप्रवेश वर्मा के रूप में हुई है। वह दो दिनों से लापता था। कुएं में शव देखकर परिजनों ने बच्चों की हत्या की आशंका जताई है। हालांकि पुलिस इसे हादसा मानकर जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ भी स्पष्ट बताने की स्थिति में है। 17 नवंबर को खेलने के क्रम में बच्चे के लापता होने पर परिजन उसकी लगातार खोजबीन कर रहे थे। इसी क्रम में बुधवार सुबह सात बजे स्थानीय लोगों ने गांव के आहार में बने कुएं में एक बच्चे का शव तैरते देखा। जानकारी होने पर गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर लेस्लीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची औरग्रामीण की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा तो ग्रामीणों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि यह केवल एक दुर्घटना या हादसा नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसी बड़ी और सुनियोजित हत्या की साजिश हो सकती है। आक्रोशित ग्रामीण उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग पर अड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी उच्चस्तरीय जांच की मांग पूरी नहीं होगी, तब तक

ब्रीफ न्यूज

लूट की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मामले में संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है

संवाददाता ।

हजारीबाग पुलिस ने हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र में 16 नवंबर को हुई ज्वेलरी लूट की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मामले में संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लूटे गए आभूषण बरामद कर लिए गए हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जहांगीर को उच्च न्यायालय से नहीं मिली जमानत

संवाददाता ।

रांची झारखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को टेंडर घोटाला के जरिए करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपित पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के सहयोगी जहांगीर आलम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पिछली सुनवाई में ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जहांगीर की जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में सुनवाई हुई। उल्लेखनीय है कि जहांगीर आलम को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने बेल देने से इंकार करते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने उच्चन्यायालय में जमानत के लिए गुहार लगाई थी।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का किया आयोजन

संवाददाता ।

रांची : बाल जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत बच्चों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार आत्मविश्वास और खुशाल बचपन के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । रांची समर्पण शाखा ने अध्यक्षा पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में , बच्चों के बीच हर बच्चा खास है और शिक्षा सब का अधिकार है विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता करवाई गई। यह कार्यक्रम आर० बी० स्प्रिंगडेल स्कूल में करवायी गई। सभी बच्चों के बीच जूस का वितरण किया गया तथा विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया । यह जानकारी मीडियाप्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

फार्मासिस्ट को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, हो गई मौत

संवाददाता ।

पलामू से सटे गढ़वा में तिलक समारोह में जा रहे एक फार्मासिस्ट को पीछे से एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। फार्मासिस्ट बाइक से थे। उन्हें इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को उनकी मौत हो गयी। फार्मासिस्ट की पहचान गढ़वा के कांडी थाना क्षेत्र के हरिहरपुर रपुरा के विकास कुमार रवि (29) के रूप में हुई है। पिता लालमन राम सेवानिवृत शिक्षक हैं। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि विकास तिलक में शामिल होने के लिए मंगलवार रात 10 बजे गढ़वा मुख्यालय से पतशा गढ़वा जा रहे थे। इसी क्रम में पीछे से अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। सड़क से जा रहे राहगीर ने उनके मोबाइल फोन से घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर विकास के बड़े भाई विजय कुमार मौके पर पहुंचे और इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया। रातभर इलाज चलने के बाद बुधवार को विकास की मौत हो गयी। विकास गढ़वा की आर गुप्ता दवा दुकान के फार्मासिस्ट थे। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। उनके दो बच्चे हैं।

फायर ब्रिगेड कर्मी के बच्चे को पिस्टल सटाकर पत्नी से लूटे लाखों के जेवरात

संवाददाता ।

रांची:फायर ब्रिगेडकर्मी अनिल तिवारी के बच्चे को पिस्टल सटाकर उसकी पत्नी पूनम तिवारी के पहने हुए जेवरात लूट लिए गए। घटना मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा के छेचानी टोला में हुई। लुटेरों की संख्या तीन बतायी गयी है और सभी के पास हथियार थे। बाइक से घटना को अंजाम दिया गया। घटना के समय महिला अपने एक बच्चे के साथ घर पर अकेली थी। दो बच्चे स्कूल गए थे। इस संबंध में बुधवार को मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में चैनपुर थाना क्षेत्र से कुछ लोगों को पूछताछ के लिए थाना लायी है। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर ढाई बजे पूनम तिवारी अपने एक बच्चे के साथ घर पर थी। इसी क्रम में तीन युवक अचानक उसके घर का दरवाजा खोलकर घुस गए और कहा कि एक युवक चोरी करके इसी घर में घुस आया है। बातचीत के क्रम में अपराधियों ने महिला के बच्चे को कब्जे में कर लिया और उसे बोरे में बांध दिया। पिस्टल सटाकर जान से मारने की धमकी दी एवं पहने हुए सारे गहने उतरवा लिए। लूटेरों ने महिला के गले से 16 ग्राम की सोने की चेन, 4 ग्राम की कानबाली, 4 ग्राम का मंगलसूत्र और बच्चे के गले में पहना हुआ सोने का लॉकेट लूट लिया। अचानक हुई इस घटना से महिला कुछ देर तक सकते में पड़ गयी। भय के कारण घर से बाहर नहीं निकल पायी। बाद में इसकी जानकारी पति एवं पुलिस को दी। इसके बाद अज्ञात अपराधियों के खिलाफ बुधवार को मामला दर्ज कराया गया है। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योति लाल रजवार ने बताया कि महिला के साथ लूटपाट

राज्यपाल बोलें बाल मेला जैसे आयोजन में आना सुखद अनुभव

जमशेदपुर, संवाददाता

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने इस बात पर चिंता जताई कि आज के जमाने के बच्चे मोबाइल की दुनिया में कैद होकर रह गये हैं। समाज में क्या हो रहा है, इसकी उन्हें कोई चिंता नहीं। बड़ी चुनौती ये है कि हम लोग कैसे उन्हें समाज से जोड़ें। उक्त बातें उन्होंने साकची में आयोजित चतुर्थ बाल मेले में कही। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाल मेला जैसे आयोजन में आना सुखद अनुभव है। यह मेला बचपन की मासूमियत और भविष्य की दिशा के बारे में बात करता है। बच्चों के अधिकारों और विकास के बहुत काम करना शेष हैं। खास कर झारखंड में बहुत काम करने की जरूरत है। झारखंड में कुपोषण बड़ी समस्या है और इसे दूर करने के लिए जो प्रयास करने हैं, उन्हें तीव्र गति से करना होगा। आगे उन्होंने कहा कि बाल मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों माता-पिता, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, जन-प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाएं, कॉरपोरेट जगत, मीडिया के साथ साथ अन्य नागरिक समाज को एक मंच पर लाने का माध्यम बन रहा है। बच्चों के विकास में स्नेह, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा और अवसर की उपलब्धता, ये पांच आधार स्तंभ हैं। जिनपर एक समृद्ध और सशक्त राष्ट्र की नींव रखी जाती है। उन्होंने कहा कि झारखंड के हमारे जनजातीय भाई-बहनों की यह मान्यता है कि बच्चा केवल परिवार का नहीं, पूरे समुदाय का होता है। यह मान्यता दुनिया को सामुदायिक सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी का अमूल्य संदेश देती है। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा देखी है। इन्हें प्रकृति से बेहद प्यार है। यही हमारी वास्तविक पूंजी हैं। वह चाहते हैं कि माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ने, सपने देखने की पूरी छूट दें। उनकी सुनें और बढ़िया माहौल दें। बालिका शिक्षा पर खास ध्यान दें। एक बेटी शिक्षित होगी तो समाज मजबूत होगा। बच्चे आज की प्राथमिकता हैं। माहौल ऐसा बने जहां बच्चे स्वस्थ, शिक्षित और खुशहाल होकर आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि 2022 में विधायक सरयू राय की प्रेरणा से आरम्भ हुआ यह बाल मेला आज बच्चों के अधिकार, पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरण का एक सशक्त मंच बन चुका है। राष्ट्रीय बाल दिवस (14 नवंबर) से विश्व बाल दिवस (20 नवंबर) के मध्य आयोजित यह मेला वास्तव में बचपन की मासूमियत, उज्ज्वल उम्मीदों और भविष्य की संभावनाओं का उत्सव है। इस वर्ष विश्व बाल दिवस का विषय ह्लप्यार से पालन-पोषण-विश्व का नेतृत्वह्व यह संदेश देता है कि प्रेमपूर्ण, सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण ही राष्ट्र के भावी नागरिकों को सशक्त बनाता है। इसके पूर्व उन्होंने 40 पन्नों वाली बहुरंगी स्मारिका का विमोचन किया। इस स्मारिका का संपादन आनंद सिंह ने किया है। संपादक मंडल के सदस्यों में डॉ त्रिपुरा झा, चंद्रदीप पांडेय और अनीता शर्मा शामिल हैं। राज्यपाल को उनका पोट्रेट और बाल मेला से संबंधित चित्र भेंट किये गए। बाल मेला से संबंधित चित्र जाने-माने आर्टिस्ट विप्लव दा ने बनाया है। जबकि उनका पोट्रैट दीपांकर कर्मकार ने बनाया है। इसके पूर्व अपने भाषण में जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि बाल मेला का पहला आयोजन 2022 में किया गया। 2020-21 में जब लॉक डाउन था, उनका निवास किचेन में बदल गया था। हजारों लोगों के लिए भोजन बनता था। साथी-सहयोगी जान जोखिम में डालकर भोजन वितरण करते थे। दो वर्षों में हमने देखा कि ज्यादातर बच्चे ही कोरोना के प्रतिकूल शिकार हुए। यह उनकी मानसिकता में भी परिलक्षित हो रहा था। बच्चों का विकास सही तरीके से हो, इसे ध्यान में रखकर 14 नवंबर को बाल दिवस के दिन इसकी शुरूआत की गई। विश्व बाल दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता है, उस दिन बाल मेला का समापन होता है। उन्होंने कहा कि बच्चे सशक्त हों, मेधावी हों, देश को आगे बढ़ाएं, यही हमारी सोच थी। इस बाल मेला में सरकारी-निजी विद्यालयों ने बच्चे तो भेजे ही, प्रशिक्षक भी भेजे। हर वो प्रतियोगिता, जो जमशेदपुर में होती है, इस बाल मेले में भी होती है। अगला बाल मेला किसी बड़े स्थान पर करेंगे ताकि झारखंड भर की सहभागिता हो सके। आगे उन्होंने कहा कि बच्चों के मनोविज्ञान पर जो प्रतिकूल असर पड़ रहा था, उसे खत्म करना था और बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए जो भी करना जरूरी है, किया जा रहा है। वैसे बच्चों को भी बाल मेले से जोड़ा, जो किसी स्कूल में नहीं जाते। उनके लिए भी मेले में प्रतियोगिताएं कराई गई हैं। जमशेदपुर बाल मित्र जिला बने, इसके लिए हम लोग प्रयासरत हैं। जमशेदपुर घोषणापत्र नाम से एक घोषणा पत्र जारी करेंगे। उन्होंने बताया कि 4200 बच्चों ने 18 विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है आज तक। इसके पूर्व राज्यपाल के बोधि मैदान परिसर में पधारने पर पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पटमदा की छात्राओं ने बैंड बजाकर उनकी अगवानी की। जिसके बाद दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। स्वागत क्रम में आशुतोष राय ने राज्यपाल का अंगवस्त्र और पौधा देकर स्वागत भी किया। अंशुल शरण ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह दिया। राघवेंद्र प्रताप सिंह ने विधायक सरयू राय का सम्मान किया। सुशील खड़के ने सरयू राय को स्मृति चिन्ह दिया। तारक मुखर्जी ने रमेश अग्रवाल का सम्मान किया। सुधीर सिंह ने रमेश अग्रवाल को स्मृति चिन्ह दिया। सुनील सिंह ने गोविंद दोदराजका का सम्मान किया। उषा यादव ने गोविंद दोदराजका को स्मृति चिन्ह दिया। कुंवर अतुल सिंह ने आशुतोष राय का सम्मान किया। ममता सिंह ने आशुतोष राय को स्मृति चिन्ह दिया। प्रकाश कोया ने अंशुल शरण का स्वागत किया। रीना ने अंशुल श ?ण को स्मृति चिन्ह दिया। स्वागत भाषण गोविंद दोदराजका ने दिया। उन्होंने कहा कि सरयू राय इस राज्य के सबसे बौद्धिक विधायक हैं। यह बाल मेला नगर की पहचान बन गई है। मेला संयोजक मनोज कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। मौके पर रवींद्र सिंह, नीरज सिंह, अमरप्रीत सिंह काले, शिवशंकर सिंह, मुरलीधर केडिया, सुधांशु ओझा, दिलीप गोयल, रिटायर्ड आईपीएस संजय रंजन सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, आफताब सिद्दिकी, शैलेंद्र सिंह, शंभू सिंह, मंटू सिंह, विनोद राय, पप्पू सिंह, अभिषेक भालोटिया आदित्य मुखर्जी, एम चंद्रशेखर राव समेत सैकड़ों लोग भी मौजूद थे।

रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

रामगढ़, संवाददाता

राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग एवं कृषि विभाग ने सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य किया। यह रैली विश्वविद्यालय परिसर से निकलकर बूढ़ा खुखरा गांव तक पहुंची और वहां नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को सतर्कता के बारे में जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और हर व्यक्ति को सतर्कता की दिशा में प्रेरित करना था। विश्वविद्यालय सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा के नुक्कड़ नाटक के द्वारा छात्रों ने सजीव अभिनय से समाज में ईमानदारी, पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा का महत्व दशार्या। कार्यक्रम को हरि झंडी दिखाते हुए कुलपति प्रो(डॉ) रश्मि ने कहा की सतर्क और चौकस रहना केवल कुछ लोगों का काम नहीं बल्कि यह हर नागरिक की संयुक्त जिम्मेदारी है। भ्रष्टाचार को रोकना,समाज में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देना और एक सुरक्षित और नैतिक समाज बनाने में हर किसी को अपना योगदान देना चाहिए। विश्वविद्यालय के छात्रों ने जागरूकता संबंधी नारों और बैनर के माध्यम से सतर्कता के महत्व को समझाया एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भ्रष्टाचार को कैसे दूर भगाएं यह बातें ग्रामीणों को समझाई। मौके पर विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो डॉ अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, शिक्षा विभाग के सभी व्याख्यातागन एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

मारवाड़ी प्रीमियर लीग में रोमांच चरम पर, आठ लीग मुकाबलों में उलटफेर और धुआंधार प्रदर्शन

कोडरमा, संवाददाता

मारवाड़ी युवा मंच का प्रीमियर लीग मैच के अब तक खेले गए आठ लीग मैचों में रोमांच, धमाकेदार बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी का जबरदस्त संगम देखने को मिला। दोनों पूल–ए और बी–में टीमों ने फाइनल की दौड़ में बनाए रखने के लिए पूरा दमखम दिखाया।

पूल ए : हर मैच में रोमांच और उलटफेर

पूल ए का पहला मुकाबला जेडीएमएल स्मैशर्स और दुर्गा सेना के बीच खेला गया, जिसमें दुर्गा सेना के ऑलराउंडर अक्षय वसंत ने 17 रन देकर दो विकेट और 9 गेंदों पर 29 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। दूसरे मैच में कासलीवाल नाइट राइडर्स ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए दमदार जीत दर्ज की। टीम के स्टार खिलाड़ी ऋषभ काला ने केवल 22 गेंदों पर 67 रन ठोककर विपक्ष की कमर तोड़ दी और साथ ही गेंदबाजी में 17 रन देकर दो विकेट लिए। बेहतरीन फील्डिंग के साथ उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। तीसरे रोमांचक मुकाबले में सैमसंग रॉयल्स ने दुर्गा सेना को 1 रन से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। सैमसंग रॉयल्स के प्रशम जैन ने 38 गेंदों में 92 रनों की धमाकेदार पारी खेली, जबकि प्रतीक अग्रवाल ने तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। पूल ए के चौथे मैच में कमजोर मानी जा रही जेडीएमएल स्मैशर्स ने कासलीवाल नाइट राइडर्स को 19 रनों से हराकर सबको चौंका दिया। टीम के सिद्धार्थ झांझरी ने 22 गेंदों पर 40 रन बनाए और उमंग कंदोई ने 22 रन देकर चार विकेट झटके तथा मैन ऑफ द मैच बने।

पूल बी : बड़े अंतर की जीत और आखिरी गेंद का रोमांच

पूल बी के पहले मुकाबले में हस्त टाइटंस ने जैन जैगुआर को 51 रनों से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 105 रन बनाए जिसमें जैमिन पटेल ने 15 गेंद पर 26 रन जोड़े। गेंदबाजी में अंकित खेतान, ऋषभ पहाड़िया और जैमिन पटेल ने दो-दो विकेट लेकर मैच अपनी पकड़ में रखा। जैमिन पटेल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में वीर वॉरियर्स ने माहेश्वरी स्ट्राइकर को हराकर 60 रनों से विराट जीत हासिल की। टीम के सलामी बल्लेबाज पीयूष जैन ने 26 गेंदों पर 47 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता, जबकि मिशांक केडिया ने तीन विकेट झटके। तीसरे मुकाबले में हस्त टाइटंस ने वीर वॉरियर्स को 51 रनों से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हस्त टाइटंस ने 98 रन बोर्ड पर लगाए, जिसमें ऋषभ पहाड़िया ने 16 गेंदों में 44 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में भी उन्होंने 3 ओवर में 5 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए ऋषभ पहाड़िया को मैन ऑफ द मैच चुना गया। गेंदबाजी में जैमिन पटेल और अंकित खेतान ने भी 1-1 विकेट झटका। पूल बी के आखिरी मुकाबले में जैन जैगुआर और माहेश्वरी स्ट्राइकर के बीच सांसें रोक देने वाला मैच देखने को मिला। आखिरी गेंद पर चौका लगाकर जैन जैगुआर ने रोमांचक जीत दर्ज की। टीम के आकाश जैन ने 35 गेंदों पर 80 रन की विस्फोटक पारी खेली। डेथ ओवरों में अतुल खेतान ने 2 ओवर में 14 रन देकर एक विकेट लिया और अभिषेक जैन ने 3 ओवर मै 21 रन्स देके 3 विकेट लिया।

पतरातू व भुरकुंडा के किसानों को दिया गया एकदिवसीय प्रशिक्षण

रामगढ़, संवाददाता

दक्षिण झारखंड संभाग रांची के अंतर्गत रामगढ़ अंचल के पतरातू एवं भुरकुंडा संच में बुधवार को किसानों के लिए एकदिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण पतरातू संच के विद्यालय ग्राम राजाबेड़ा तथा भुरकुंडा संच के विद्यालय ग्राम कुसियारा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व अंचल गतिविधि प्रमुख अजीत कुमार महतो ने किया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को केंचुआ खाद (वर्मी कंपोस्ट) उत्पादन की विधि, उसकी उपयोगिता तथा गोमूत्र आधारित कीटनाशक बनाने और उसके फायदे के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अजीत महतो ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, फसल उत्पादन में सुधार, मिट्टी की संरचना को भुरभुरी बनाने और जल संरक्षण क्षमता बढ़ाने में अत्यंत सहायक है। यह रासायनिक खाद का सुरक्षित व पर्यावरण-फ्रेंडली विकल्प है जो फसलों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है एवं लाभकारी सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाता है। उन्होंने यह भी बताया कि गोमूत्र आधारित कीटनाशक फसलों को कीटों व रोगों से बचाने में प्रभावी है। यह मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करता है और उपज की गुणवत्ता बढ़ाता है। इसके उपयोग से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता, जो इसे रासायनिक कीटनाशकों से बेहतर विकल्प बनाता है। कार्यक्रम में पतरातू संच प्रमुख नागेश्वर महतो, भुरकुंडा संच प्रमुख शांति देवी, आचार्य सुनीता देवी, नेहा देवी, मंजू देवी, किसान उमेश बेदिया, राजेश बेदिया, सुमन देवी, ललिता देवी, फूलो देवी, प्रभा देवी, निम्मी देवी, उषा देवी, सुनीता देवी, चरकी देवी सहित कई ग्रामीण किसान उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के परिभ्रमण से पूर्व डीसी-एसपी ने किया स्थलों का गहन निरीक्षण

पलामू, संवाददाता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 21 नवंबर को प्रस्तावित पलामू परिभ्रमण को लेकर बुधवार को उपायुक्त समीरा एस एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने नीलाम्बर-पीतांबरपुर स्थित विभिन्न संभावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा तथा तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यक्रम स्थल पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, पेयजल, चिकित्सीय सहायता, बैरिकेडिंग एवं पार्किंग जैसी सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ह्लकार्यक्रम में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने यह भी बताया कि आपकी योजना, आपकी सरकारझआपके द्वार कार्यक्रम के दौरान जिले में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा।

इसके लिए सभी संबंधित विभागों को उप विकास आयुक्त के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं की अद्यतन सूची जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के पश्चात सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता सहित जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सभी प्रखंडों के बीडीओ एवं सीओ वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

विश्व शौचालय दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश

पलामू, संवाददाता

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा तथा प्रखंड वाश समन्वयक हरसू कुमार दयानिधि के निदेर्शानुसार आज बुधवार को प्रखंड क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए जलसहिया, आंगनबाड़ी सेविकाओं, विद्यालयों तथा समुदाय स्तर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्देश दिया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकत्ताओं से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर संपर्क कर लोगों को शौचालय के नियमित उपयोग, रख-रखाव तथा स्वच्छ आदतों के महत्व के बारे में जागरूक करें। कार्यक्रमों में ग्रामीणों को खुले में शौच के दुष्प्रभाव, पानी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम और व्यक्तिगत स्वास्थ्य-सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए जाएंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह स्वास्थ्य और मान-सम्मान से जुड़ा सामाजिक उत्तरदायित्व है। प्रत्येक परिवार को शौचालय का नियमित उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य यह है कि लोग स्वच्छ आदतों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, ताकि बीमारी कम हो और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि ऐसे कार्यक्रमों से समुदाय में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी बढ़ेगी और शत-प्रतिशत शौचालय उपयोग सुनिश्चित होगा।

सेक्टर-4 सिटी सेंटर में भीषण आग पर प्रशासन सख्त, मजिस्ट्रेट जांच के दिए निर्देश

बोकारो, संवाददाता

मंगलवार देर रात सेक्टर-4 स्थित सिटी सेंटर में भीषण आग लगने से फुटपाथ की करीब एक दर्जन दुकानें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। सैलून, चिकन चिल्ली स्टॉल सहित कई छोटी दुकानें देखते ही देखते आग की चपेट में आ गईं। चार दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग फैलने से बच गई, अन्यथा दो दर्जन से अधिक दुकानें जल सकती थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की शुरूआत चिकन चिल्ली दुकान से हुई, जहां संभवतः घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था। सिलेंडर से अचानक उठी लपटों ने मिनटों में आसपास की दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना स्थल पर सेक्टर-4 थाना पुलिस, दमकलकर्मी और सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जिला प्रशासन ने लिया संज्ञान, माना अत्यंत गंभीर मामला

घटना के बाद उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने इसे अत्यंत गंभीर मानते हुए तुरंत एसडीएम चास सुश्री प्रांजल ढांडा को मजिस्ट्रेट स्तर पर व्यापक जांच का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जांच में यह स्पष्ट किया जाए कि–

आग किन कारणों से लगी,
किसकी लापरवाही रही,
क्या सुरक्षा मानकों का पालन हुआ था।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बीएसएल नगर प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों की भूमिका की भी जांच की जाए। डीसी ने चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। फुटपाथ दुकानदारों के लिए यह हादसा बेहद दर्दनाक है, क्योंकि उनकी जीवन-यापन की पूरी व्यवस्था राख में बदल गई।

सेक्टर-3सी क्वार्टर से चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार, टीवी बरामद

बोकारो, संवाददाता

सेक्टर-3सी स्थित क्वार्टर संख्या 709 में 14 नवंबर की रात हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। आवेदक जय बहादुर के लिखित बयान पर बीएस सिटी थाना कांड संख्या 249/25 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने डीएसपी नगर आलोक रंजन और थाना प्रभारी को टीम बनाकर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। छापेमारी के दौरान पुलिस ने शिवा कुमार उर्फ शिवा (26), सा० दुन्दीबाग माड़ी पट्टी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी हुआ इढछ कंपनी का छएऊ टीवी बरामद किया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने सहयोगी किशन बासफोर के साथ मिलकर कई स्थानों पर टीवी, लैपटॉप, जेवर और नकदी की चोरी कर चुका है। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। कार्रवाई में कई पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही।

सरदार पटेल की उपेक्षा पर भड़के सांसद, 150वीं जयंती पर मानव श्रृंखला व पदयात्रा–राज्य सरकार पर साधा निशाना

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकाली मानव श्रृंखला और पदयात्रा

बोकारो, संवाददाता

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने बुधवार को चास चेकपोस्ट स्थित लौह पुरुष की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तीन दिवसीय कार्यक्रमों की शुरूआत की। 16 से 19 नवंबर तक आयोजित समारोह में यूनिटी भारत - एक भारत, आत्मनिर्भर भारत संदेश के साथ मानव श्रृंखला और पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में बोकारो के विभिन्न सरकारी विद्यालयों, सिटी कॉलेज तथा महिला कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों की लंबी कतारें राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश देती नजर आईं। पदयात्रा चास चेकपोस्ट से शुरू होकर पत्थर कट्टा होते हुए सेक्टर-5 पुस्तकालय मैदान तक पहुंची, जहां सरदार पटेल के राष्ट्रनिर्माण में योगदान को याद किया गया। इसी दौरान सरदार पटेल की प्रतिमा की उपेक्षा भी सामने आई। लंबे समय से रंग-रोगन न होने के कारण प्रतिमा चितकबरी और धूल से ढकी हुई दिखाई दी। जब इस पर सांसद ढुल्लू महतो से सवाल पूछा गया, तो वे भड़क उठे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महापुरुषों का सम्मान तक नहीं कर पा रही है, यह बेहद गंभीर मामला है। धनबाद गोलीकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं और सरकार सिर्फ ट्रांसफर-पोस्टिंग में लगी है। कार्यक्रम के अंत में सांसद ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए समाज में एकता, सद्भाव और आत्मनिर्भरता का संदेश फैलाने की अपील की। इस मौके पर बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय, सांसद प्रतिनिधि मुकेश राय, एंजेला सिंह, रोहित लाल सिंह, विक्रम महतो समेत कई भाजपा नेता और जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

मार्केट कॉम्प्लेक्स को चयनित स्थल से हटाकर अन्य जगह बनाया जा रहा, जनहित के खिलाफ : जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज

बोकारो, संवाददाता

जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज ने मार्केट कॉम्प्लेक्स योजना के निर्माण स्थल में बदलाव पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने बताया कि यह योजना मूल रूप से कसमार +2 चौक में प्रस्तावित थी, जहां घनी आबादी और सक्रिय व्यापारिक गतिविधियों के कारण इसका अधिकतम लाभ जनता को मिलता। कुछ ग्रामीणों के आग्रह पर फॉर्म कांड और सिपाही टांड को वैकल्पिक स्थल के रूप में रखा गया था। इसी के तहत सिपाही टांड का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा भी गया, लेकिन अमरदीप महाराज ने स्पष्ट किया कि यह क्षेत्र विरान और कम आबादी वाला है, जो जनहित के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि निर्जन स्थल पर मार्केट कॉम्प्लेक्स बनाने से इसकी उपयोगिता कम हो जाएगी, व्यापारियों और खरीदारों की पहुँच बाधित होगी और सार्वजनिक संसाधनों से अपेक्षित लाभ जनता को नहीं मिल पाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि चयनित और उपयुक्त स्थल को छोड़कर मार्केट कॉम्प्लेक्स एक ऐसी जगह बनाया जा रहा है जहां लोगों की आवाजाही नहीं के बराबर है। ऐसी स्थिति में परिसर उपयोगी नहीं रह जाएगा और सरकारी धन का दुरुपयोग साबित होगा।

भाजपा विधायक दल की बैठक में मुहर

उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे सम्राट व विजय

पटना एजेंसी : बिहार में सरकार गठन को लेकर अब तैयारी तेज हो चुकी है। पहले जदयू के विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना नेता चुना गया। इसके बाद आप भाजपा के विधायक दल के बैठक में भी नेता चुन लिया गया है। भाजपा के विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा पर एक बार फिर से विश्वास जताया गया है। इन दोनों को भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुना गया है। भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा बिहार में उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे। वे कल उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले भाजपा की ओर से बड़ी बैठक का आयोजन किया गया था। केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे थे। साथ ही साथ इस बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, विनोद तावडे और पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहें। सम्राट चौधरी जहां पिछड़े वर्ग से आते हैं। वहीं विजय सिन्हा सवर्ण समाज से आते हैं। बीजेपी ने जातीय समीकरण को साधने की कोशिश की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुन लिया गया है। बुधवार को पटना में पार्टी विधायकों की एक आंतरिक बैठक में यह फैसला लिया गया। यह फैसला हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के कुछ दिनों बाद लिया गया है। यही, आज एनडीए के विधायकों की भी बैठक होगी जिसमें उन्हें गठबंधन का नेता चुना जाएगा। जद(यू) नेता ने बताया कि कुमार शाम को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात करेंगे और उनसे नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध करेंगे। इससे पहले एक रिपोर्ट में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के वित्तमान कैबिनेट मंत्री विजय कुमार चौधरी के हवाले से बताया गया है कि नीतीश कुमार बुधवार, 19 नवंबर को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर नई सरकार बनाने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू करेंगे। नई बिहार सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होगा।

बेटियों के लिए बड़ा मौका: पिंक बस सेवा में महिला ड्राइवरों की भर्ती शुरू

एजेंसी बिहार: सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को नई दिशा देने के लिए लगातार पहल कर रही है। इसी कड़ी में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSRTC) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य के कई बड़े शहरों में पूरी तरह महिला संचालित 'पिंक बस सेवा' की शुरुआत की है। यह सेवा न केवल महिलाओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने का प्रयास है, बल्कि बिहार की युवतियों और महिलाओं को रोजगार का नया अवसर भी प्रदान करती है। इसी उद्देश्य से निगम ने महिला चालकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके लिए आवेदन 15 दिसंबर 2025 तक लिए जाएंगे। महिला ड्राइवरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू निगम ने महिला चालकों (ड्राइवर्स) की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इच्छुक महिलाएं 15 दिसंबर 2025 तक आवेदन कर सकती हैं। चयनित उम्मीदवारों को 20 जनवरी 2026 से दो सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो IDTR औरंगाबाद के आधुनिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित होगा। प्रशिक्षण के दौरान महिला उम्मीदवारों के रहने और खाने की पूरी व्यवस्था निगम द्वारा की जाएगी। इसके अलावा, प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली महिलाओं को संविदा आधार पर नौकरी का अवसर भी मिलेगा।

शराब तस्करी में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रहीं बिहार की महिलाएं

पटना एजेंसी : बिहार में 2 महिला शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के भटनी से मौर्या एक्सप्रेस में कुछ महिला तस्कर शरीर में शराब बांधकर बिहार ला रही हैं। सूचना के आधार पर उत्पाद निरीक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की गई। जिसके बाद एक महिला को मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन और दूसरी महिला को दोली रेलवे स्टेशन से धर दबोचा गया। महिला पुलिसकर्मियों ने तलाशी ली तो दोनों ने कमर और शरीर में प्लास्टिक की पन्नी से शराब की बोतलें बांधे हुई थीं। साथ ही कुछ बोतलें झोले में भी मिलीं। उत्पाद निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया है कि दोनों महिलाएं यूपी के भटनी से शराब लेकर बिहार आ रही थीं। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जब्त शराब की मात्रा और कीमत का आकलन किया जा रहा है। पूछताछ में सप्लायर और अन्य लोगों के नाम पता करने की कोशिश की जा रही है। बिहार में पूर्ण

शिक्षिका की गोली मारकर हत्या, बाइक सवार अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम

मुजफ्फरपुर एजेंसी : जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र के तरौरा बांध के पास अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने अपने भाई के साथ जा रही एक युवती को गोली मार दी गई। गोली लगने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची मुसहरी थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से परिजनों के साथ इलाज के लिए घायल युवती को लेकर शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान तरौरा गांव निवासी कोमल कुमारी के रूप में हुई है। छोटे भाई आदित्य ने बताई आपबीती मृतका के भाई आदित्य कुमार ने बताया कि बहन के साथ बाइक से मुसहरी ब्लॉक के तरफ से घर जा रहे थे, तभी अचानक एक नकाबपोश अज्ञात बदमाश के द्वारा गोली मार दी गई और फिर रुक कर देखा जब तक हम गाड़ी लगाते तब तक वह

21 वर्षीया महिला ने एक साथ 3 बेटियों को दिया जन्म, पत्नी को देखने तक नहीं आया पति

मुंगेर एजेंसी : मुंगेर में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां एक 21 वर्षीया महिला ने सिजेरियन प्रसव के दौरान एक साथ तीन बच्चियों को जन्म दिया। जच्चा और तीनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इस खुशखबरी से मायके पक्ष में खुशी का माहौल है, लेकिन पति की बेरुखी ने विवाद की स्थिति पैदा कर दी है। मामला मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड की है। धरहरा निवासी कैलाश कुमार की पत्नी जुली कुमारी को अचानक प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उन्हें धरहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने तुरंत सदर अस्पताल मुंगेर रेफर कर दिया। अस्पताल प्रबंधक तौसीफ हसनैन की देखरेख में, महिला चिकित्सक डॉ. स्मृति और उनकी टीम ने सिजेरियन ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के दौरान जुली कुमारी ने तीन बच्चियों को जन्म दिया। अस्पताल के अनुसार, प्रसूता और तीनों नवजात सुरक्षित हैं और उन्हें एसएनसीयू वार्ड में रखा गया है।

प्रेग्नेंट महिला के साथ पुलिस ने किया अमर्यादित व्यवहार

पटना एजेंसी : में सोमवार को एक प्रेग्नेंट महिला और उनके पति के साथ पुलिसकर्मी द्वारा कथित रूप से अनुचित बर्ताव का मामला सामने आया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें देखा जा सकता है कि महिला पुलिसकर्मी के स्कूटी ले जाने की कोशिश के दौरान करीब 20 मीटर तक स्कूटी पर लटकी रही। इस दौरान महिला को चोट भी लगी। सूत्रों के अनुसार, महिला और उनके पति मरीन ड्राइव गए थे, जहां उन्होंने पीजा खाया और कोल्ड ड्रिंक खोज रहे थे। वे सड़क पर स्कूटी धक्का देकर आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोका और बताया कि वे गलत साइड से आ रहे हैं, जिससे चालान कट सकता है। पति ने पुलिस को समझाया कि वे स्कूटी नहीं चला रहे हैं, लेकिन पुलिसकर्मी ने पहले से पेंडिंग 12,000 रुपये के चालान के आधार पर स्कूटी जब्त कर ली। महिला ने स्कूटी के आगे आकर रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मी ने उसे अनसुना किया। महिला ने बार-बार कहा कि वह प्रेग्नेंट है, फिर भी पुलिसकर्मी ने स्कूटी रोकने से इनकार किया। महिला का कहना है ।

टीमिंग के घर के सामने युवक ने खुद को आग लगाकर दी जान

पटना एजेंसी : इस वक्त की बड़ी खबर रोहतास के डेहरी से आ रही है, जहां न्यू एरिया में एक प्रेमी ने अपने प्रेमिका के घर के सामने खुद को पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। इस दौरान 20 वर्षीय प्रेमी अंकित कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गयी है। बताया जाता है कि मृतक अंकित ईदगाह मोहल्ले का रहने वाला था, वो बीटेक का छात्र था। बताया जाता है कि 6 माह पहले ही अंकित न्यू एरिया की रहने वाली एक लड़की से प्यार करता था और उसके साथ घर से भाग गया था। लेकिन बाद में दोनों को ढूंढकर लाया गया था। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद दोनों के परिजनों ने लड़के और लड़की को अपने-अपने घर लेकर चले गए थे।

नेपाल जैसी हिंसा भड़काने की साजिश नाकाम, करिश्मा अजीम गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर एजेंसी : विधानसभा चुनाव और रिजल्ट प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य में दंगा भड़काने की एक गंभीर साजिश सामने आई है। मुजफ्फरपुर पुलिस ने इस मामले में करिश्मा अजीम नामक एक युवती को हिरासत में लिया है और उससे विस्तार से पूछताछ की जा रही है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट को तुरंत ब्लॉक कर दिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि करिश्मा अजीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था, जिसमें युवाओं को भड़काने और हिंसा फैलाने की प्रवृत्ति देखी गई। पुलिस का मानना है कि इस पोस्ट के माध्यम से नेपाल में हुए GenZ Protest जैसी हिंसा को बिहार में दोहराने की कोशिश की गई थी। दरअसल, थाने में दर्ज FIR में करिश्मा अजीम को मुख्य आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, 16 नवंबर की शाम मुजफ्फरपुर जिले से सूचना मिली कि उसने अपने X हैंडल पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था। पोस्ट में यह दावा किया गया कि बिहार चुनाव के परिणाम आने के बाद सड़कों पर युवा प्रदर्शन कर रहे हैं और स्थिति तनावपूर्ण है। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया कि राज्य में वोटों की गिनती के बाद कहीं से भी वास्तविक विरोध-प्रदर्शन या हिंसा की सूचना नहीं मिली। इस प्रकार पोस्ट पूरी तरह फर्जी और भड़काऊ थी। साइबर सेल की टीम ने बताया कि करिश्मा अजीम द्वारा किया गया यह पोस्ट जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से किया गया। उन्होंने पोस्ट में भीड़ और हिंसा को बढ़ावा देने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे राज्य की कानून व्यवस्था खतरे में पड़ सकती थी। इसके साथ ही, पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाए जाने।

बिना कोचिंग ही 20 साल की उम्र में DSP बनीं बिहार की बेटी

पटना एजेंसी : अगर आप परिस्थितियों से लड़ना जानते हैं, तो आपके रास्ते में कितनी भी चुनौतियाँ क्यों न आएँ, आप सफलता के शिखर तक पहुंच सकते हैं। बिहार की चित्रा कुमारी ने महज 20 साल की उम्र में यह साबित कर दिया। परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने और अपने माता-पिता का सम्मान बढ़ाने के लिए चित्रा ने अपने सपनों की उड़ान भरी और डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (DSP) बन गईं। उनकी सफलता कहानी उन तमाम गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार की बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो कठिन परिस्थितियों में भी बड़े सपनों को सच करने की चाह रखती हैं। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) का कंबाइंड कॉम्पिटेटिव एग्जाम (CCE) देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक है।

कारोबार

85 हजार के पार बंद हुआ सेंसेक्स आईटी कंपनियों में जबरदस्त तेजी

मुंबई एजेंसी : आईटी कंपनियों के नेतृत्व में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 85 हजार अंक के पार बंद हुआ। सेंसेक्स 513.45 अंक चढ़कर 85,186.47 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 142.60 अंक की बढ़त में 26,052.65 अंक पर बंद हुआ। इसका रिकॉर्ड बंद स्तर 29 अक्टूबर को 26,053.90 अंक रहा था। आईटी सेक्टर की कंपनियों में जबरदस्त तेजी रही। कनाडा के कैलगेरी में कार्यालय खोलने की घोषणा के बाद एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर सेंसेक्स में सबा चार फीसदी से अधिक चढ़े। मंगलवार को शेयर पुनर्खरीद के विवरण साझा करने के बाद इंफोसिस का शेयर भी पौने चार फीसदी की मजबूती के साथ बंद हुआ। टीसीएस का शेयर दो प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का शेयर पौने तीन प्रतिशत से अधिक और मारुति सुजुकी का सवा फीसदी से ज्यादा टूट गया। महींद्रा कंपनियों में भी तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली अधिक देखी गयी। एनएसई में आईटी के बाद सार्वजनिक बैंकों के समूह में सबसे अधिक तेजी रही। स्वास्थ्य, रियल्टी, तेल एवं गैस और मीडिया समूहों के सूचकांक लुढ़क गये।

कच्चे तेल में नरमी से रुपए को मिला सहारा

मुंबई एजेंसी : डॉलर के मुकाबले हुआ मजबूत रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ 88.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपए को समर्थन मिला हालांकि वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.57 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 88.51 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.60 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.49 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 46.27 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,626.75 अंक पर और निफ्टी 8.35 अंक या 0.03 प्रतिशत फिसलकर 25,901.70 अंक पर आ गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्सेलसॉफ्ट का आईपीओ, 21 तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली एजेंसी : एडटेक कंपनी एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है। एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 125 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,874 रुपये का निवेश करना होगा। यही खुदरा निवेशक इस आईपीओ में 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 4,16,66,666 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 180 करोड़ रुपये के 1.50 करोड़ नए शेयर और 320 करोड़ रुपये के 2,66,66,666 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें।

स्टॉक मार्केट में टेनेको क्लीन एयर की मजबूत लिस्टिंग, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली एजेंसी : गाड़ियों के लिए एमिशन कंट्रोल टेक्नोलॉजीज पर काम करने वाली कंपनी टेनेको क्लीन एयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 397 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 498 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 505 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 514.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 29.58 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। टेनेको क्लीन एयर का 3,600 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 61.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 174.78 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 42.79 गुना सब्सक्रिप्शन

गैलार्ड स्टील का आईपीओ लॉन्च 26 नवंबर को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली एजेंसी : रेलवे और डिफेंस सेक्टर से जुड़े उद्योगों के लिए रेडी-टू-यूज कंपोनेंट्स तैयार करने वाली कंपनी गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। गैलार्ड स्टील के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 3 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

लगातार तीसरे दिन सस्ती हुई चांदी, 5 हजार तक घटी कीमत

नई दिल्ली एजेंसी : घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 3,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की इस गिरावट के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,68,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,61,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,61,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,62,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, चेन्नई में चांदी 1,62,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,61,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,69,900 रुपये के स्तर पर आ गई है।

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते हैं, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्टस और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कॉर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेंडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फोरेंसिक साइंस प्रति युवाओं का बढ़ा रुझान

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए है। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वानात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वानात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है।

फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस साइंस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरो के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवीं उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संख्या से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है-

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेंसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते है। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है।

आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्यवसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में है या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते है। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉंड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवी सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते है !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रोत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है।

सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकित्रत अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरिक्षत पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दे। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों और फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे हृ भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे हृ टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढककर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चींटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैंगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

फोटो और क्यूआर कोड वाला आधार जारी करने पर विचार कर रहा यूआईडीएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने लोगों की तस्वीर और क्यूआर कोड के साथ आधार कार्ड जारी करने पर विचार कर रहा है। इस कदम का उद्देश्य लोगों के डाटा का दुरुपयोग रोकने और वर्तमान आधार कानून के उल्लंघन में ऑफलाइन सत्यापन प्रथाओं को खत्म करना है। आधार अधिनियम ऑफलाइन सत्यापन के मामले में किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी व्यक्ति की आधार संख्या या बायोमेट्रिक जानकारी के संग्रह, उपयोग या भंडारण पर प्रतिबंध लगाता है। आधार के लिए नए एप पर एक हुए ऑनलाइन सम्मेलन में, यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने कहा, प्राधिकरण दिसंबर में एक नया नियम लाने पर विचार कर रहा है ताकि होटल, इवेंट ऑर्गेनाइजर्स की ओर से ऑफलाइन सत्यापन को हतोत्साहित किया जा सके। व्यक्तियों की गोपनीयता बनाए रखते हुए आधार का उपयोग करके आयु सत्यापन प्रक्रिया को बढ़ाया जा सके। कुमार ने कहा, इस बात पर एक सोची-समझी प्रक्रिया चल रही है कि कार्ड पर कोई भी विवरण क्यों होना चाहिए। इसमें सिर्फ एक तस्वीर और एक क्यूआर कोड होना चाहिए। अगर हम छपाई करते रहेंगे, तो लोग छपी हुई चीजें ही लेते रहेंगे। जो लोग इसका दुरुपयोग करना जानते हैं, वे इसका दुरुपयोग करते रहेंगे। कुमार ने कहा, आधार कार्ड की प्रति का इस्तेमाल कर ऑफलाइन सत्यापन को खत्म करने के लिए कानून पर काम चल रहा है, जिसे एक दिसंबर को आधार प्राधिकरण के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा, आधार को कभी भी दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसे सिर्फ आधार संख्या से प्रमाणित किया जाना चाहिए या क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके सत्यापित किया जाना चाहिए।

एआई पर बोले सुंदर पिचाई, बुलबुला फटने से सभी कंपनियों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के प्रमुख सुंदर पिचाई ने चेतावनी दी है कि अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बुलबुला फटता है तो इससे सभी कंपनियां प्रभावित होंगी। उन्होंने स्वीकार किया कि इस साल तकनीकी उछाल को बढ़ावा देने वाले एआई निवेश के पीछे अतार्किकता मौजूद थी। न्यूज एजेंसियों के मुताबिक एक इंटरव्यू में पिचाई से पूछा गया कि क्या गूगल एआई बुलबुले के फटने से प्रभावित होगा, इस पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कोई भी कंपनी इससे अछूती नहीं रहेगी, हमारे सहित। उन्होंने विशाल ऊर्जा आवश्यकताओं की चेतावनी दी, जो पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वैश्विक बिजली खपत का 1.5 प्रतिशत थी।

रूस से कच्चे तेल की लोडिंग 66 प्रतिशत गिरी, बिना मंजिल के घूम रहे आधे टैंकर

● अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी।
रूस से भारत को तेल की लोडिंग में इस महीने भारी गिरावट आई है। यह गिरावट करीब दो-तिहाई तक रही। अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अब रूस से तेल खरीदने में ज्यादा सावधानी बरत रही हैं। भारत के अलावा चीन और तुर्की ने भी रूस से कच्चे तेल की खरीदारी घटा दी है। रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा चीन, भारत और तुर्की को ही जाता है। ईटी की एक रिपोर्ट में डेटा एनालिटिक्स कंपनी कप्लर के हवाले से बताया गया है कि 1 से 17 नवंबर के बीच भारत आने वाले जहाजों में रोजाना औसतन 672,000 बैरल रूसी कच्चा तेल लोड किया गया। यह अक्टूबर में 1.88 मिलियन के मुकाबले काफी कम है। रूस से भारत तक तेल पहुंचने में लगभग एक महीना लगता है, इसलिए नवंबर में लोड किया गया ज्यादातर तेल दिसंबर में ही पहुंचेगा।

बिना मंजिल के घूम रहे जहाज: यह अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की समय सीमा 21 नवंबर के बाद होगा। इस समय सीमा को पूरा करने की जल्दी के कारण भारतीय रिफाइनरियों ने नए ऑर्डर कम कर दिए हैं। हालांकि वे पहले से तय किए गए तेल को जल्दी मंगवा रहे हैं। इसी वजह से 1 से 17 नवंबर के बीच रूसी तेल का आयात अक्टूबर के औसत से 16 प्रतिशत बढ़कर 1.88 मिलियन बैरल हो गया। रितोलिया का मानना है कि आने वाले समय में खासकर दिसंबर और जनवरी में भारत को रूसी कच्चे तेल की सप्लाई में काफी गिरावट देखने को मिलेगी। पिछले महीने अमेरिका ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए थे। ये दोनों कंपनियां मिलकर रोजाना लगभग 3 मिलियन बैरल तेल का निर्यात करती हैं। इसमें से लगभग एक तिहाई भारत को जाता है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है।

जहाज-से-जहाज में ट्रांसफर

प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, हाल की टैंकर गतिविधियों से रूसी कच्चे तेल के व्यापार के व्यवहार में एक बड़ा बदलाव दिख रहा है। भारत और चीन के बीच यात्रा के दौरान तेल के डेस्टिनेशन बदल रहे हैं और जहाज-से-जहाज ट्रांसफर असामान्य जगहों पर हो रहे हैं, जैसे मुंबई के तट के पास। ये जगहें सिंगापुर स्ट्रेट के पास की सामान्य जगहों से काफी दूर हैं। ये बदलाव रूसी निर्यातकों द्वारा पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए अपनाए जा रहे नए लॉजिस्टिकल तरीकों को दर्शाते हैं। रूस की कुल तेल लोडिंग भी नवंबर में 28 प्रतिशत घटकर 2.78 मिलियन रह गई, जो पहले से कम है। खास बात यह है कि रूस से लोड किए गए लगभग आधे टैंकर बिना किसी तय मंजिल के यात्रा कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि रूस के निर्यातक खरीदार ढूंढने और प्रतिबंधों से बचने के रास्ते तलाश रहे हैं। चीन और तुर्की जैसे रूस के दूसरे बड़े खरीदारों को भी पिछले महीने तेल की सप्लाई कम हुई है।

सीमेंट परिवहन हुआ सस्ता, रेलवे की पहल से मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर में सीमेंट परिवहन लागत कम करने के उद्देश्य से एक बड़े सुधार की घोषणा की। सरकार का मानना है कि इस कदम से घर बना रहे मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधी राहत पहुंचेगी। मंत्री ने बल्क सीमेंट टर्मिनल पॉलिसी और कंटेनर रेट रेशनलाइजेशन कार्यक्रम के बाद बताया कि रेलवे ने बल्क सीमेंट परिवहन के लिए 90 पैसे प्रति जीटीकेएम की एकसमान दर लागू की है। जीटीकेएम का अर्थ है सकल टन-किलोमीटर। यह रेलवे और माल ढुलाई उद्योग में परिवहन शुल्क की गणना के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक मानक उपाय है। 1 जीटीकेएम, 1 किलोमीटर के लिए 1 सकल टन भार परिवहन के बराबर है। जब रेलवे 90 पैसे प्रति जीटीकेएम दर बताता है, तो इसका मतलब है कि एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर परिवहन किए गए प्रत्येक सकल टन सीमेंट के लिए शुल्क 0.90 रुपये है। इससे माल ढुलाई शुल्क को मानकीकृत करने और लागत की गणना को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलती है। इस समस्या के समाधान के लिए रेलवे ने विशेष रूप से भारी मात्रा में सीमेंट की ढुलाई के लिए डिजाइन किया गया एक विशेष टैंक कंटेनर विकसित किया है। वैष्णव ने कहा कि इस टैंक कंटेनर को सीमेंट फैक्ट्री में भरा जा सकता है। भरने के बाद, इसे देश भर में जहां भी खपत की आवश्यकता हो, वहां ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से सीमेंट आपूर्ति श्रृंखला में शामिल लॉजिस्टिक्स लागत में काफी कमी आएगी। वैष्णव ने बताया कि एक समान दर से सीमेंट निर्माताओं को सीमेंट संयंत्रों के स्थान, परिवहन मार्गों और अनलोडिंग टर्मिनलों के बारे में अधिक स्पष्टता मिलेगी। इससे बेहतर योजना बनाने, सीमेंट की बेहतर आवाजाही और उपभोक्ताओं के लिए कम लागत की उम्मीद है।

गए थे घूमने, मिल गई रानी... ऐसे बदली इंजीनियर की कहानी

अब 1.5 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी।
महाराष्ट्र के कोल्हापुर के रहने वाले मैकेनिकल इंजीनियर अद्वैत कुलकर्णी की जिंदगी एक ट्रिप ने हमेशा हमेशा के लिए बदल दी। 2017 में वह त्रिपुरा में छुट्टी बिताने गए थे। वहां के विशाल अनानास (पाइनएप्पल) के बागानों को देखकर वह इतने मंत्रमुग्ध हुए कि उन्होंने त्रिपुरा में उद्यमिता के अवसरों को समझने के लिए बार-बार जाना शुरू कर दिया। 2017 से 2020 के बीच उन्होंने त्रिपुरा के कई गांवों का दौरा किया। अद्वैत ने पाया कि त्रिपुरा के अनानास न केवल सस्ते और ज्यादा रसीले थे। अलबत्ता, उनका उत्पादन भी दूसरे राज्यों की तुलना में बड़े पैमाने पर होता था। यह इतना ज्यादा था कि बर्बादी तक हो रही थी। त्रिपुरा की क्वीन अनानास किस्म को 2015 में जीआई टैग भी मिला था और यह राज्य का आधिकारिक फल है। अपने पिता से प्रेरणा और एक जानकार दोस्त से तकनीकी मार्गदर्शन लेकर अद्वैत ने 2021 में कुमारघाट में बंद पड़ी एक यूनिट को दोबारा जिंदा किया। ननसेई फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्रोडक्ट्स इंडस्ट्री की स्थापना की। इस इकाई से अनानास के डिब्बाबंद स्लाइस का उत्पादन शुरू हुआ। महज तीन सालों में अद्वैत की कंपनी ने 1.5 करोड़ रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर लिया। आइए, यहां अद्वैत कुलकर्णी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। लेकिन, वहां प्रोसेसिंग इकाइयों की कमी थी। अद्वैत ने अपनी यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य स्थानीय किसानों को सुनिश्चित आय प्रदान करना और खाद्य बर्बादी को कम करना रखा।

रोकी बर्बादी, पहुंचाई खुशहाली

हॉलीडे ट्रिप पर आया आइडिया

कोल्हापुर के मैकेनिकल इंजीनियर अद्वैत कुलकर्णी के लिए त्रिपुरा की यात्रा 2017 में सिर्फ एक हॉलिडे नहीं रही। इसके बजाय यह एक व्यावसायिक अवसर बन गई। त्रिपुरा के विशाल अनानास बागानों और वहां के सस्ते, रसीले फलों से प्रभावित होकर अद्वैत ने 2017 से 2020 के बीच लगातार राज्य का दौरा किया। उन्होंने पाया कि त्रिपुरा में अनानास की खेती बड़े पैमाने पर होती है। लेकिन, परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण किसानों के उत्पाद की भारी बर्बादी होती है। अनानास की क्वीन किस्म ने उन्हें विशेष रूप से आकर्षित किया। इसे 2015 में जीआई टैग मिला था।

परिवार में भी कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक तो होती रहती है

नई दिल्ली, एजेंसी। बाकी दुनिया की तरह अमेरिका भी भारत के साथ मजबूत रिश्ता साझा करता है। यह बात केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आईएसीसी के 22वें भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखता है। हम दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्य का विस्तार करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।

गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिकी साझेदारी की कहानी को दो विश्वसनीय साझेदारों के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो न केवल दोनों देशों की, बल्कि पूरे विश्व की साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने कुछ दिन पहले ही एक बड़े एलपीजी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत हम हर साल लंबी अवधि के लिए 2.2 मिलियन टन एलपीजी आयात किया जाएगा। दोनों देशों के संबंधों में नहीं है कोई दरार उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि संबंधों में कोई दरार है। यह दोनों देशों, अमेरिका और भारत, के लिए बहुत महत्वपूर्ण और रणनीतिक बना हुआ है। हमने अभी-अभी अमेरिका के युद्ध विभाग और भारतीय रक्षा मंत्रालय के साथ 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि परिवार में भी कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक तो होती रहती है। बातचीत एक प्रक्रिया है और एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने हितों, अपने हितधारकों, व्यवसायों के हितों की रक्षा करनी है और इसे अपनी संवेदनशीलताओं, किसानों, मछुआरों और लघु उद्योगों के साथ संतुलित करना है। जब हम सही संतुलन बना लेंगे, तो आप निश्चिंत रह सकते हैं कि हमें इस मामले में अच्छे परिणाम भी मिलेंगे, लेकिन दोस्ती बहुत स्थायी है और साझेदारी लगातार बढ़ रही है।

एनवीडिया-बिटकॉइन की कीमतों में उछाल से चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। एशिया और यूरोप में हुई बिकवाली का असर वॉल स्ट्रीट पर भी दिखा। दिन की शुरुआत में एसएंडपी 500 में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाद में अधिकांश नुकसान की भरपाई हो गई और देर शाम केवल 0.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स का सूचकांक 0.6 प्रतिशत गिरा, जबकि नैस्डैक ने 0.5 प्रतिशत गोते लगाए। अमेरिका के अलावा एशिया और यूरोप के बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। जापान का निक्केई 3.2 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.3 प्रतिशत गिरा।

खबरों के मुताबिक मंगलवार को शेयर बाजार में सबसे बड़ा दबाव कंप्यूटर चिप्स बनाने वाली कंपनी- एनवीडिया के शेयर की कीमतों के कारण आया। शुरुआत में 1.4 प्रतिशत गिरावट के बाद सुबह इसमें 3.7 प्रतिशत तक गिरावट भी देखी गई। इस महीने कुल गिरावट 10 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। आर्थिक मामलों और शेयर बाजार से जुड़े आंकड़ों के जानकार इसे वॉल स्ट्रीट की भाषा में करेक्शन बता रहे हैं। एनवीडिया के उतार-चढ़ाव का सीधा असर पूरे बाजार पर पड़ा, क्योंकि विशाल आकार के कारण ये कंपनी एसएंडपी 500 का सबसे प्रभावशाली स्टॉक है। एआई चिप्स की तेजी से बढ़ रही मांग के कारण हाल ही में कंपनी का बाजार मूल्य 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

इस साल अप्रैल के बाद से अमेरिकी शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई थी। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगाए गए टैरिफों के बाद निवेशकों के उत्साह के बावजूद

आलोचकों का मानना था कि यह तेजी बहुत असामान्य और असंतुलित रही है। विशेषकर एआई सेक्टर में एनवीडिया पिछले पांच साल में चार बार अपना मूल्य दोगुना कर चुकी है। एक अन्य कंपनी प्लैनटीर ने इस साल केवल छह महीनों में मूल्य दोगुना कर लिया।

बाजार के मौजूदा हाल को लेकर बैंक ऑफ अमेरिका की तरफ से कराए गए सर्वे के अनुसार, बड़े निवेशकों का मानना है कि शेयर बाजार आने वाले दिनों में तेजी से बढ़ सकता है। हालांकि, 45 प्रतिशत निवेशक एआई बबल को सबसे बड़ा संभावित जोखिम मानते हैं। चिंता यह भी है कि कंपनियां एआई और डेटा सेंटर्स में अत्यधिक निवेश कर रही हैं। ऐसी आशंका है कि भविष्य में इनसे इसी तरह के लाभ की उम्मीद नहीं की जा सकती। एनवीडिया के अलावा अन्य हाई-फ्लाइंग सेक्टर भी मंगलवार के कारोबार के दौरान कमजोर दिखे। बिटकॉइन की कीमत सुबह 90,000 डॉलर से नीचे गई, जबकि पिछले महीने यह 125,000 डॉलर के करीब थी। बाद में यह थोड़ा बढ़कर 93,000 डॉलर के ऊपर पहुंची। अब बाजार की नजर बुधवार को आने वाली एनवीडिया की तिमाही रिपोर्ट पर है। इससे शेयरों की कीमत में गिरावट पर ब्रेक लग सकती है। कीमतों में उछाल की संभावना भी बरकरार है।

कम बोली लगाने के बावजूद गौतम अडानी ने मारी बाजी देखते रह गए वेदांता के अनिल अग्रवाल!

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिवालिया हो चुकी दिग्गज इन्फ्रा कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स अडानी ग्रुप की झोली में गिर सकती है। कंपनी के क्रेडिटर्स ने सर्वसम्मति से अडानी एंटरप्राइजेज के ऑफर के पक्ष में वोट किया है। अडानी एंटरप्राइजेज के साथ-साथ अनिल अग्रवाल की वेदांता ने भी जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए बोली लगाई थी। वेदांता की बोली अडानी से बड़ी थी लेकिन सूत्रों के मुताबिक बेहतर प्रीपेमेंट टर्म्स के कारण क्रेडिटर्स ने अडानी की बोली को मंजूरी दे दी।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक वेदांता ने सितंबर में हुई ई-नीलामी में जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई थी। उसने 17,000 करोड़ की पेशकश की थी। लेकिन क्रेडिटर्स ने अडानी एंटरप्राइजेज को चुना क्योंकि उन्होंने ज्यादा अग्रिम भुगतान की पेशकश की थी। हालांकि अडानी एंटरप्राइजेज की बोली की नेट प्रेजेंट वैल्यू वेदांता की बोली से करीब 500 करोड़ कम थी। एन पी वी का मतलब है कि भविष्य में मिलने वाले पैसों का आज के हिसाब से कितना मूल्य है।

नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स की सबसे बड़ी क्रेडिटर है। जेएएल पर क्रेडिटर्स का 55,000 करोड़ का कर्ज है। पिछले साल जून में कंपनी को इनसॉल्वेंसी प्रोसीडिंग्स के लिए स्वीकार किया गया था।

किस-किसने लगाई थी बोली वोट करने का फैसला कानूनी चुनौती का सामना कर सकता है क्योंकि अडानी की बोली सबसे बड़ी नहीं थी। हालांकि अदालतें आमतौर पर क्रेडिटर्स के फैसलों का सम्मान करती हैं। शुरुआत में पांच कंपनियों ने रेजॉल्यूशन प्लान पेश की थीं। इनमें अडानी और वेदांता के अलावा डालमिया भारत, नवीन जिंदल की जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक शामिल थीं। डालमिया भारत शुरू में सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी थी लेकिन उसकी पेशकश में कुछ शर्तें थीं। इसलिए उसने बाद में हुई ई-नीलामी में भाग नहीं लिया। मनोज गौड़ के नेतृत्व वाले ग्रुप ने कंपनी को दिवालियापन से बाहर निकालने के लिए क्रेडिटर्स को 18,000 करोड़ के सेटलमेंट की पेशकश की थी। लेकिन क्रेडिटर्स को लगा कि मनोज गौड़ अपनी पेशकश के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सपोर्ट का सबूत नहीं दे पाए। जयप्रकाश एसोसिएट्स के पास सीमेंट, पावर, इंजीनियरिंग, हॉस्पिटैलिटी, रियल एस्टेट और स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कई बिजनेस हैं।

सैमसंग टीवी प्लस ने ने शीर्ष क्रिएटर्स के साथ अपनी तरह का पहलाकंटेंट डील किया

गुरुग्राम, एजेंसी।
सैमसंग टीवी प्लस, भारत की प्रमुख फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टेलीविजन सेवा, ने दुनिया के शीर्ष क्रिएटर्स के साथ साझेदारी करते हुए उनके एक्सक्लूसिव फास्ट चैनल अब घर की सबसे बड़ी स्क्रीन पर उपलब्ध करा दिए हैं।

भारत में लॉन्च की गई छह क्यूरेटेड चैनलों की इस नई सूची में प्रसिद्ध क्रिएटर मार्क रोबर के पहले समर्पित फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टीवी चैनल का विश्व प्रीमियर भी शामिल है। सैमसंग टीवी प्लस अब पूरे भारत में 1.40 करोड़ से अधिक सैमसंग स्मार्ट टीवी पर 160 से भी अधिक चैनलों के साथ उपलब्ध है।

नासा के पूर्व इंजीनियर, आविष्कारक, शिक्षक और दुनिया के सबसे प्रभावशाली क्रिएटर्स में से एक मार्क रोबर–जिनके 7.1 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स हैं–अब विज्ञान, रचनात्मकता और मनोरंजन का अपना अनोखा मिश्रण टीवी दर्शकों तक लेकर आ रहे हैं। मार्क रोबर ने कहा,मैं हमेशा मानता हूं कि विज्ञान और इंजीनियरिंग, जिज्ञासा और रचनात्मकता को व्यक्त करने के बस अलग नाम हैं। यह चैनल दुनिया भर के और भी लोगों तक इसी भावना को पहुँचाने का माध्यम है–ताकि सीखना एक मजेदार अनुभव बने, मजबूरी नहीं। इस नए क्रिएटर चैनल लाइनअप के साथ कई जॉनर-डिफाइंग आवाजें सैमसंग टीवी प्लस से जुड़ी हैं, जिनमें मैमिशेल खारे का 'चैलेंज एक्सेप्टेड', एपिक गार्डेनिंग टीवी, द ट्राई गाइज, ब्रेव वाइल्डनेस और द स्टोरी गर्ल्स टीवी शामिल हैं। यह पहली बार किया गया कंटेंट करार सैमसंग टीवी प्लस की व्यापक वैश्विक रणनीति का हिस्सा है।

बिहार जीत से उभरी नई उम्मीदें और गहरी चुनौतियां

ललित गर्ग

बिहार की यह जीत इतिहास में दर्ज होगी-सिर्फ इसलिए नहीं कि परिणाम अप्रत्याशित थे, बल्कि इसलिए कि इसने एक नए अध्याय के लिखे जाने की उम्मीद जगाई है। अब समय है कि यह उम्मीद हकीकत में बदल सके। राजनीति तभी सार्थक होगी जब यह जनता के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने और बिहार इस दिशा में देश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

बिहार का यह चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं था, बल्कि लोकतंत्र की चेतना, जनता के विश्वास और नेतृत्व की विश्वसनीयता को परखने का अवसर भी था। परिणाम जिस तरह सामने आए, उन्होंने न केवल बिहार बल्कि पूरे देश एवं दुनिया को चौंका दिया। यह जीत केवल गठबंधन की सामूहिक ताकत की नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्षों से स्थापित सुशासन मॉडल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता के अटूट भरोसे का परिणाम है। बिहार की महिलाओं ने इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाई है-उनकी उम्मीदें, उनका साहस और उनका भरोसा इस परिणाम के मूल में खड़ा दिखाई देता है। बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया, बल्कि खुद को परिपक्व एवं जागरूक प्रदर्शित करते हुए मूल्यों एवं विकास के मानकों पर मतदान दिया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है कि अब बिहार जंगलराज नहीं चाहता, विकास की नई सुबह देखना चाहता है, एसआईआर को वोट चोरी के रूप में दी गयी प्रस्तुति उसे स्वीकार्य नहीं हुई, वह अतीत के भ्रष्ट शासन से मुक्ति के लिये अतीत की त्रासद यादों एवं भविष्य के सुनहरे भविष्य के बीच चयन करते हुए लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की भी काली छाया नहीं चाहता। भले ही तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे।

नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं थे। उनकी छवि को धुंधलाने एवं उन्हें बीमार घोषित करने के भी पूरे प्रयत्न हुए लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतीक एवं सुशासन-पुरुष हैं। वह अब तक नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। लेकिन इस बार उनकी चुनौतियां भी बड़ी है। वैसे लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जीत जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही व्यापक हो जाती हैं। बिहार में एनडीए की इस ऐतिहासिक विजय के बाद जिस दौर की शुरुआत हो रही है, वह उत्साह से कहीं अधिक जिम्मेदारी का दौर है। नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बन रहे हैं, यह अपने-आप में निरंतरता, स्थिरता और सुशासन की अपेक्षाओं को नयी ऊंचाई देता है। परंतु अब उनके सामने जो प्रश्न खड़े हैं, वे कहीं अधिक गहरे, जटिल और चुनौतीभरे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार केवल एक राजनीतिक पराजय नहीं, बल्कि परिवारवादी राजनीति के प्रति जनता की निर्णायक और स्पष्ट निष्पत्ति है। मतदाताओं ने यह संदेश दो टूक दिया है कि राजनीति किसी परिवार, वंश या व्यक्तिगत प्रभुत्व की जागीर नहीं हो सकती। खासकर क्षेत्रीय दलों में फैला वंशवाद, व्यक्तिवाद और उत्तराधिकार की अनिवार्य राजनीति जनता को लगातार विचलित करती रही है। परिणामों ने यह उजागर कर दिया कि अब मतदाता सिर्फ चेहरे और परिवारों के मोहजाल में नहीं फंसना चाहते, बल्कि वे विकास, पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को प्राथमिकता देने लगे हैं। महागठबंधन की हार उसी व्यापक जनभावना का परिणाम है, जिसमें जनता ने यह तय कर दिया कि लोकतंत्र में जनता की सत्ता सर्वोपरि है, किसी भी राजनीतिक खानदान की नहीं।

बिहार की सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। वर्षों से यह राज्य बेरोजगारी के दर्द से जूझता रहा है। करोड़ों युवाओं की आंखों में नौकरी, अवसर और सुरक्षित भविष्य का सपना है। चुनावी वादे जिस उत्तेजना के साथ किए जाते हैं, उन्हें व्यवस्थित नीति, धैर्य और राजनीतिक ईमानदारी से लागू करना किसी भी सरकार के लिए आसान कार्य नहीं होता। लेकिन जनता ने इस बार उम्मीदों की जो गठरी सौंपी है, वह स्पष्ट संकेत है कि अब पूरा बिहार ठोस काम चाहता है, खोखले वादे नहीं। दूसरी बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था की है। सुशासन का मॉडल तभी सार्थक है जब आम नागरिक के जीवन में सुरक्षा की ठोस अनुभूति हो। अपराध, राजनीतिक संरक्षण, दंगा-फसाद और अराजकता किसी भी समाज की प्रगति को रोकते हैं। नीतीश कुमार से जनता की अपेक्षा है कि वे एक बार फिर वही कठोरता, वही व्यवस्था और वही संतुलित रणनीति लेकर आएंगे, जिसने कभी 'जंगलराज' को समाप्त कर सुशासन का नया इतिहास लिखा था। महिलाओं से किए गए वादे भी अब सरकार की प्राथमिक कसौटी बनेंगे। आधी आबादी ने जिस उत्साह और भरोसे के साथ एनडीए को पुनः सशक्त किया है, यह सरकार के लिए प्रेरणा के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी है। सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान-ये पांच मुद्दे बिहार की महिलाओं की असली जरूरत हैं, और चुनावी वादों का मूल्यांकन भी अब इन्हीं पर होगा।

बिहार की अर्थव्यवस्था की मजबूती केंद्र सरकार के सहयोग पर भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनके विकास-एजेंडे ने इस चुनाव को निर्णायक रूप दिया। जब केंद्र और राज्य की नीतियों में तालमेल होगा, तब ही आर्थिक सुधार, निवेश, उद्योग, रोजगार-सृजन और आधारभूत संरचना के बड़े सपने साकार होंगे। बिहार को अब केवल वित्तीय सहायता की ही नहीं, बल्कि विकास की स्थायी संरचना की जरूरत है, जिससे आने वाली पीढ़ियां लाभान्वित हों। लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा प्रश्न मन को झकझोरता है-लोकतंत्र में चुनाव कब तक केवल 'सौदेबाजी' बने रहेंगे? कब तक वादों की भीड़, लुभावने नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर जनता के विश्वास की खरीद-फरोख्त चलती रहेगी? आखिर लोकतंत्र को स्वस्थ दिशा क्या हो? यह चुनाव परिणाम हमें इस सवाल के सामने खड़ा करता है कि राजनीति को फिर से मूल्यों, दृष्टि, दीर्घकालिक योजनाओं और नैतिकता की ओर लौटना होगा। लोकतंत्र की प्रतिष्ठा तभी बचेगी जब राजनीति भविष्यदर्शी बने, जब चुनाव उत्सव कम और उत्तरदायित्व अधिक हो।

बिहार, जिसे कभी पिछड़ेपन, गरीबी, पलायन और अपराध का प्रदेश कहा जाता था, आज भारतीय लोकतंत्र का एक जीवंत प्रयोगशाला बन गया है। यह प्रदेश भविष्य में किस दिशा में जाएगा, यह केवल सत्ता की नीतियों पर ही नहीं, बल्कि जनता की जागरूकता, मीडिया की ईमानदारी और राजनीतिक दलों की नैतिक प्रतिबद्धता पर भी निर्भर करेगा। आज बिहार के पास अवसर है कि वह खुद को एक प्रगतिशील, शिक्षा-संपन्न, रोजगार-समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करे। बिहार की यह जीत इतिहास में दर्ज होगी-सिर्फ इसलिए नहीं कि परिणाम अप्रत्याशित थे, बल्कि इसलिए कि इसने एक नए अध्याय के लिखे जाने की उम्मीद जगाई है। अब समय है कि यह उम्मीद हकीकत में बदल सके। राजनीति तभी सार्थक होगी जब यह जनता के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने और बिहार इस दिशा में देश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

संपादकीय

नाबालिगों के अपराध

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए।

चिंतन-मनन

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, 'भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, 'सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है'

हिड़मा का अंत नक्सल आंदोलन के ताबूत में आखिरी कील, देश को लाल आतंक से मुक्ति दिलाने के करीब हैं अमित शाह

नीरज कुमार दुबे

भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के लिए 2025 एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। CPI (माओइस्ट) के सबसे क्रूर, सबसे चालाक और सबसे कुख्यात सैन्य कमांडर मदवि हिड़मा का खात्मा केवल एक ऑपरेशनल सफलता नहीं, यह एक बहुत बड़ा संदेश भी है। यह संदेश है उस अंतिम लड़ाई का, जिसकी समय सीमा खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तय की थी। हिड़मा का अंत 30 नवंबर 2025 की डेडलाइन से ठीक 12 दिन पहले हुआ है। यह डेडलाइन अमित शाह ने सुरक्षा बलों को देते हुए कहा था कि हिड़मा का आतंक उसी दिन तक समाप्त होना चाहिए। हिड़मा की मौत ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि देश अब उस विजय रेखा के बेहद करीब है, जिसे गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक माओवाद को पूरी तरह समाप्त करने के रूप में परिभाषित किया था।

हम आपको याद दिला दें कि अमित शाह ने पिछले वर्ष घोषणा की थी कि माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का समय आ चुका है। उन्होंने बड़ी समय-सीमा देने के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों को छोटे-छोटे लक्ष्य (mile-stones) भी सौंपे थे। जैसे- कहीं किसी इलाके को माओवादियों से पूरी तरह मुक्त कराना, कहीं किसी शीर्ष माओवादी नेता को समर्पण के लिए मजबूर करना और कहीं ऑपरेशनों के माध्यम से संगठन की कमर तोड़ देना। उसी रणनीति का सबसे अहम माइलस्टोन था हिड़मा का निपटारा, जिस पर अमित शाह ने हाल की समीक्षा बैठकों में निजी तौर पर जोर दिया था। हिड़मा का अंत उसी जंगल में हुआ, जहाँ से उसका आतंक शुरू हुआ था।

आज यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमित शाह की सख्त, निरंतर और परिणाम-उन्मुख नीतियों ने सुरक्षा बलों में वह गति भर दी, जिसकी भारत को वर्षों से आवश्यकता थी। माओवादी हिंसा जिस रफ्तार से सिमट रही है, वह उनकी रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है।

कौन था हिड़मा और क्यों था इतना महत्वपूर्ण यदि इस सवाल पर गौर करें तो आपको बता दें कि मदवि हिड़मा माओवादियों की केंद्रीय समिति का सबसे युवा सदस्य था, लेकिन उसकी कुख्याति, क्रूरता और क्षमताएं उसे संगठन का सबसे खतरनाक सैन्य चेहरा बनाती थीं। वह PLGA की कुख्यात बटालियन नंबर 1 का कमांडर रहा था। वह बस्तर का एकमात्र आदिवासी नेता था जिसे माओवादियों की केंद्रीय समिति में जगह दी गई। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा में कई बड़े हमले उसी की योजना का हिस्सा थे। वर्षों से सुरक्षा बल उसकी तलाश में थे, लेकिन वह हमेशा बच निकलता था। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उसकी मां से मिलकर समर्पण की अपील भी करवाई, पर वह तैयार नहीं हुआ। उसकी मृत्यु पर बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी का यह बयान बिल्कुल सटीक है कि 'यह वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक माइलस्टोन है।' हम आपको बता दें कि केंद्रीय समिति की शक्ति अब घटकर केवल 7 सदस्यों पर आ गई है। इनमें भी गणपति अस्सी के करीब है, मिसिर बेसरा झारखंड के कुछ क्षेत्रों तक सीमित है और संगठन का कैडर आधार तेजी से खत्म हो रहा है। सक्रिय नेताओं में देवजी, संग्राम, गणेश उइके, रामदर और दो क्षेत्रीय कमांडर– बरसे देवा व पप्पा राव ही बचे हैं। अनुमान है कि 100-150 से ज्यादा सशस्त्र माओवादी कैडर अब पूरे देश में नहीं बचे हैं। जो बचे हैं वह भी कुछ आरक्षित वनों और सीमावर्ती इलाकों तक सिमटे हुए हैं।

देखा जाये तो 2025 में माओवादियों को जो सबसे बड़ी चोटें लगी हैं, वे अभूतपूर्व हैं। पहले टॉप नेता नंबाला केसव राव मारा गया फिर सोनू उर्फ वेणुगोपाल राव ने आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा, कई केंद्रीय समिति सदस्य मारे गए या समर्पण कर चुके हैं। सत्यनारायण रेड्डी, कद्दा रामचंद्र रेड्डी, नेलाति, रवि, विवेक यादव, पोतु लक्ष्मी, सुजाता, नंदन्ना और रमेश जैसे वरिष्ठ कैडर ने हथियार डाल दिए हैं। यह परिदृश्य बताता है कि माओवादी संगठन अंतिम सांसें गिन रहे हैं।

देखा जाये तो हिड़मा का खात्मा उन हजारों जवानों के संघर्ष, बलिदान और धैर्य का प्रतिफल है, जो वर्षों से नक्सल प्रभावित इलाकों में लड़ाई लड़ रहे हैं। यह उस केंद्रीय नेतृत्व का भी प्रमाण है, जिसने लक्ष्य स्पष्ट किए, समयसीमाएं तय की और परिणाम की मांग की। आज भारत पहली बार उस बिंदु पर खड़ा है जहाँ माओवादी संरचना बिखरी हुई है, उसकी केंद्रीय समिति कमजोर है, टॉप कमांडर समाप्त हो गये या आत्मसमर्पण कर रहे हैं, कैडर संख्या सबसे निचले स्तर पर है और जनता का सहयोग सुरक्षा बलों की ओर झुक चुका है।

बहरहाल, भारत दशकों से इस लाल आतंक से जूझ रहा था। अब पहली बार, देश उस ऐतिहासिक क्षण के बेहद करीब है जहाँ माओवादी हिंसा केवल स्मृति बन सकती है। यह उपलब्धि किसी एक ऑपरेशन की नहीं, यह राजनीतिक इच्छाशक्ति, स्पष्ट रोडमैप और अमित शाह के नेतृत्व वाली कठोर, लक्ष्य-उन्मुख रणनीति की देन है। यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो 31 मार्च 2026 की वह तारीख– जिसे अमित शाह ने नक्सलवाद की अंतिम तिथि कहा है वह सिर्फ कागजी लक्ष्य नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा इतिहास का निर्णायक मोड़ बन सकती है।

प्रदूषण की कीमत: क्या भारत को चाहिए एक व्यापक 'प्रदूषण कर'?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने-अर्थात विस्तृत ह्यप्रदूषण करह्व लागू करने-की आवश्यकता है?

प्रदूषण कर का विचार नया नहीं, परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाजार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे ह्यबाह्य लागतह्व कहा जाता है-अर्थात नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में ह्यप्रदूषण करह्व इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए।

भारत में कोयले पर लगाया गया 'स्वच्छ ऊर्जा उपकर' इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो। प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र ह्यहरित निधिह्व के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए। उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा-पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं। भारत की प्रशासनिक क्षमता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो, तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र ह्यहरित कोषह्व का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।

राजनीतिक दृष्टि से यह एक साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की माँग कर रही है। इस माँग को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा। यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी सिद्ध किया।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी। हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, हिंदी सिनेमा के लिए हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं है, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है। दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त मैं महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था।

बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं। दिल्ली क्राइम सीजन-3 14 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जबकि महारानी का नया सीजन 7 नवंबर को रिलीज हो गई थी। सीरीज को ऐसे मौके पर रिलीज किया गया, जब बिहार में जनता नई सरकार चुनने की तैयारी में थी। महारानी-4 बिहार की राजनीति पर बनी सीरीज है, जिसके शुरुआती तीन सीजन जबरदस्त रहे हैं। चौथे सीजन में कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस बार पीएम पद की लड़ाई देखने को मिली है।

बॉलीवुड में सब बस अपना फायदा देखते हैं, यहां कोई किसी के लिए नहीं लड़ता

सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में वो नेगेटिव रोल में हैं। उन्होंने बताया कि ने देखा कि कुछ असिस्टेंट डायरेक्टर्स रात के डेढ़ बजे फुटपाथ पर बैठकर कैब की राह देख रही थीं। जॉली एलएलबी 2, फोर मोर शॉट्स प्लीज, पगलैट जैसी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही ऐक्ट्रेस सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में सयानी नेगेटिव भूमिका निभा रही हैं।

किसी को तो विलन बनना पड़ेगा

खुद एक फेमिनिस्ट होने के बावजूद सीरीज में बच्चियों के साथ हिंसा करने जैसे सीन करने को लेकर सयानी कहती हैं, हम ऐक्टर हैं और ऐक्टर होने के नाते आप हर तरह का रोल करना चाहते हैं। किसी को तो विलन बनना पड़ेगा। किसी को तो बुरे इंसान का रोल भी करना पड़ेगा और कन्विंसिंग तरीके से करना होगा। मैंने अपने 14 साल के करियर में दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया है और मुझे बहुत मजा आया क्योंकि मैं इसमें बहुत ही बदमाश हूं, जबकि असल जिंदगी में बिल्कुल भी बदमाश नहीं हूं। पर्सनली मुझे हिंसा से नफरत है, मैं ट्रिगर हो जाती हूं, पर इसमें मारपीट करने, गंदी-गंदी भाषा में गाली देने में बहुत मजा आया, क्योंकि जो आप नहीं रियल में नहीं कर सकते, वह ऐक्टर के तौर पर करने में भी एक मजा है। फिर, देखा जाए तो कोई भी इंसान पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं होता। शो में ही मेरे किरदार कुसुम की बात करें तो वह खुद दबाई गई है, इसलिए वरूर बन गई है।

वो मुद्दे परेशान करते हैं वो दिखाना पसंद

लेकिन क्या लड़कियों की बेबसी का फायदा उठाने, उनकी सौदेबाजी जैसे सीन उन्हें झकझोरते या परेशान करते हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे असल में उल्टा लगता है कि हम ऐक्टर्स के पास ये हथियार है कि जो चीजें या मुद्दे हमें परेशान करते हैं, उनको दिखाकर हम लोगों को सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। मतलब, जो मुद्दे मुझे परेशान करते हैं या सोच में डालते हैं, मैं उन कहानियों का हिस्सा जरूर बनना चाहूंगी, क्योंकि अगर हम किसी फिल्म या शो के जरिए उसे मेनस्ट्रीम में ला पाएं और उस पर चर्चा हो तो इससे बेहतर क्या होगा। ये लड़कियां इतनी रात में घर कैसे जाएंगी। मुझे लगता है कि हम ऐक्टर उस जगह पर हैं जहां उन लोगों के लिए बोल सकते हैं, जिनकी नहीं सुनी जाती तो आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है।

हमारे यहां कोई दूसरे के लिए नहीं लड़ता

सयानी को फिल्म सेट पर टीम संग गैरबराबरी से जुड़ी कई चीजें भी परेशान करती है। शूटिंग की शिफ्ट तय होने की चर्चा छिड़ने पर वह बेबाकी से कहती हैं, हमारे यहां ऐक्टर की मजबूत यूनियन ही नहीं है। जैसे हॉलिवुड में एआई को लेकर इतनी बड़ी हड़ताल हुई। पूरी इंडस्ट्री के ऐक्टर, डायरेक्टर वो चाहे कितने भी अनुभवी या नए थे, हर कोई साथ आया, काम बंद किया। हमारे यहां ऐसा नहीं है। यहां सब अपना-अपना सोचते हैं। कोई किसी के लिए नहीं लड़ता। हम भारतीयों की सोच यही है कि हमारा काम नहीं जाए। मैं क्यों लड़ू, यहां हर कोई ओवरटाइम करता है जिसका उन्हें कोई एक्स्ट्रा पैसा नहीं मिलता। देखिए, बतौर ऐक्टर मैं 20 घंटे भी काम हुआ तो करूंगी, पर जो लाइटमैन सबसे पहले आता है और सबसे बाद में जाता है और वो ट्रेन से जाएगा। उसके पास गाड़ी नहीं है। ऐसे सैकड़ों लोग सेट पर होते हैं, जिनके लिए बेसिक सुविधाएं नहीं होती।

ब्रेक के बाद निर्देशक दानिश असलम की फिल्म से वापसी करेंगे इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान 10 साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। वह अपने पुराने दोस्त और निर्देशक दानिश असलम के साथ एक नई फिल्म बना रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने 15 साल पहले ब्रेक के बाद बनाई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में इमरान ने अपनी वापसी और इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी आगामी फिल्म ब्रेक के बाद की तरह ही है। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे और दानिश के जीवन के अनुभवों से बनी है। दानिश की शादी हो चुकी है, और मेरा तलाक हो गया है। यह एक निजी प्रोजेक्ट है, जो दोस्तों के साथ मिलकर कहानी कहने की इच्छा से शुरू हुआ। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। जल्द ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज डेट की घोषणा होगी।

ब्रेक के बाद की कहानी

इमरान ने बताया कि उन्होंने पहले ब्रेक के बाद फिल्म के लिए मना कर दिया था। उस समय वह आई हेट लव स्टोरीज की शूटिंग कर रहे थे। दानिश ने उन्हें कहानी सुनाने की कोशिश की, लेकिन इमरान को कहानी सुनना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने मना कर दिया। बाद में एक पार्टी में दानिश से मुलाकात हुई और उनकी बातचीत से इमरान का मन बदल गया। दानिश ने उन्हें स्क्रिप्ट भेजी, जो इमरान को पसंद आई, और फिर उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की।

इमरान का करियर

आखिरी बार इमरान 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद उन्होंने अभिनय छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें मिलने वाले किरदार पसंद नहीं आ रहे थे। अब वह वापसी कर रहे हैं, लेकिन वह अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं।

मां वंदे में पीएम मोदी की मां का किरदार निभाएंगी रवीना

रवीना टंडन हमेशा अपने दमदार और संवेदनशील अभिनय के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म पटना शुक्ला और लॉयर में उनके प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब खबर है कि रवीना एक और महत्वपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक मां वंदे का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में रवीना, प्रधानमंत्री की दिवंगत मां हीराबेन मोदी की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन क्रांति कुमार करेंगे, जबकि दक्षिण भारतीय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रवीना इस किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमेशा से हीराबेन की सादगी, संघर्ष और कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने की क्षमता की प्रशंसक रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि यह फिल्म मां-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड भावनात्मक फिल्म होगी। इसमें हीराबेन के त्याग, उनकी दृढ़ता और मोदी के जीवन में उनके योगदान को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। रवीना, हीराबेन के जीवन की इन्हीं बातों से प्रभावित होकर इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। साउथ इंडस्ट्री के एक्टर उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे।

लक्ष्मण उतेकर की फिल्म ईथा में दिखाई देंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी नई फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं। 2024 में रिलीज हुई स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद श्रद्धा अब एक बार फिर अलग अंदाज में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने पहले छावा जैसी फिल्म बनाई थी। ताजा जानकारी के अनुसार... फिल्म में श्रद्धा के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब श्रद्धा और रणदीप स्क्रीन पर दिखेंगे। दोनों के बीच लगभग 11 साल की उम्र का अंतर है। शूटिंग महीने के अंत तक मुंबई में शुरू होने वाली है। रणदीप और श्रद्धा दोनों को लेकर निर्माता बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों ही कलाकारों में गहराई और बहुमुखी प्रतिभा है, जो निर्देशक की सोच से पूरी तरह मेल खाती है।

कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगावकर की बायोपिक है। श्रद्धा इस किरदार के लिए लावणी डांस की ट्रेनिंग ले रही हैं।

हैवान में अक्षय को चेज करते दिखेंगे सैफ

अक्षय कुमार के काम की स्पीड एक बार फिर चर्चा में है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म हैवान की शूटिंग हाल ही में मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास पूरी हुई। इसमें अक्षय और सैफ अली खान ने लगातार पांच दिन रातों तक शूटिंग कर फिल्म का क्लाइमेक्स सीक्वेंस कंप्लीट किया। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इस सीन में करीब 30-40 कारें और 100 जूनियर आर्टिस्ट शामिल थे, जिसे एक्शन डायरेक्टर स्टंट सिल्वा ने कोरियोग्राफ किया। रात के समय आउटडोर शूटिंग को लेकर प्रियदर्शन ने कहा कि... मुंबई जैसे व्यस्त शहर में इतनी बड़ी यूनिट के साथ शूट करना आसान नहीं था लेकिन अक्षय और सैफ ने बेहद प्रोफेशनल अंदाज में साथ दिया।

मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है ये फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि अक्षय आमतौर पर जल्दी सोने के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इस नेट-नाइट शूट में पूरी तन्मयता से काम किया। फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 2016 की मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है। जहां मूल फिल्म में मोहनलाल ने लीड निभाया था, वहीं हिंदी वर्जन में सैफ ने एक नेत्रहीन व्यक्ति के किरदार में हैं, जिसकी सूंघने और सुनने की शक्ति बेहद तीव्र है। वे अक्षय के विलन किरदार से भिड़ते हैं।

अगस्त में शुरू हुआ था शूट

प्रियदर्शन ने बताया... हैवान एक कॉमेडी थ्रिलर है जिसमें नायक और खलनायक के बीच चूहे-बिल्ली की पकड़म-पकड़ाई जैसे खेल चलता है। फिल्म का बड़ा हिस्सा अगस्त 2025 में शूट होना शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है।

बता दें कि अक्षय ने दुबई में वेलकम टू द जंगल की शूटिंग शुरू करने से पहले अपना हिस्सा खत्म कर लिया था, जबकि सैफ के कुछ सीन्स बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फिल्माए जा रहे हैं। प्रियदर्शन के लिए 2025 काफी प्रोडक्टिव रहा है। 69 साल की उम्र में उन्होंने भूत बंगला और हैवान जैसी दो बड़ी फिल्में पूरी की हैं। हैवान 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी और इसे प्रियदर्शन की सबसे बड़ी हिंदी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

बैक-टू-बैक कई प्रोजेक्ट हैं अक्षय के पास

अक्षय, प्रियदर्शन की एक और कॉमेडी-हॉरर फिल्म भूत बंगला में भी दिखेंगे। इसमें उनकी जोड़ी तबु के साथ 25 साल बाद बनेगी। साथ ही परेश रावल और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कॉमेडियन भी फिल्म में नजर आएंगे। वहीं 2027 में ही रिलीज होने वाली उनकी ओह माय गॉड फिर एक बार सामाजिक और धार्मिक पाखंड पर व्यंग्य करेगी, जिसमें अक्षय एक बार फिर गॉड के मैसेंजर बनेंगे। वहीं 2027 साइको में आने वाली है जो एक साइकोलॉजिकल एक्शन थ्रिलर है। यह अक्षय को एक डार्क और गहन अवतार में दिखाएगी। इसके अलावा रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का अगला अध्याय सूर्यवंशी 2 है, जिसमें अक्षय, अजय देवगन और रणवीर सिंह एक साथ फिर से धमाकेदार एक्शन अवतार में लौटेंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने भी पूरी की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने भी हैवान की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। श्रिया ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े दिख रही हैं, जिस पर फिल्म का नाम हैवान लिखा है। श्रिया ने लिखा... मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक सौभाग्य रहा, जिसका नेतृत्व निर्देशक प्रियदर्शन ने किया।

आईसीसी रैंकिंग: रोहित शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग के नए अपडेट में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने रोहित शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में मैच जिताऊ शतक जड़ने के बाद मिशेल 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

कमर की चोट के कारण सीरीज से बाहर होने से पहले मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस पारी ने उन्हें अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक से आगे कर दिया है जिससे रैंकिंग में शीर्ष पर रोहित का 22 दिनों का संक्षिप्त दबदबा समाप्त हो गया। टर्नर 46 साल पहले नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाले आखिरी न्यूजीलैंडर थे, जबकि नाथन एस्टल, रॉस टेलर और केन विलियमसन जैसे अन्य दिग्गज रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच पाए हैं।

इस बीच पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए, जबकि उनके साथी मोहम्मद रिजवान और फखर जमान श्रृंखला में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 9वां स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ 5 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के जेडन सील्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर) और रोस्टन चेज (12 स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

टेस्ट की बात करें तो बुमराह ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पांच विकेट सहित कुल छह विकेट लेकर टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी फायदा हुआ है, कुलदीप दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर और जडेजा चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने भी ईडन गार्डन्स में मैच विजयी 8 विकेट लेने के बाद 20 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान पर पहुंचकर महत्वपूर्ण लाभ कमाया। कम स्कोर वाले कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो (चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर) और महमूदुल हसन जॉय (19 स्थान ऊपर चढ़कर 74वें स्थान पर) ने अपने शतकों की बदौलत टीम को सिलहट में आयरलैंड पर पारी की जीत दिलाने के बाद लाभ कमाया है। आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग 96वें से 80वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पुरुषों की टी20आई खिलाड़ी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन की वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम मैच में 45 रनों की पारी ने उन्हें आठ स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है। तेज गेंदबाज जैकब डफी तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मिशेल सैंटनर (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) और मोहम्मद नवाज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर) ने भी पुरुषों की टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में सुधार किया है।

लक्ष्य और प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

सिडनी (एजेंसी)। लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित 5 भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया। लक्ष्य का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के ही यू जेन या वांग त्जु वेई से होगा जबकि प्रणय इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से भिड़ेंगे।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी और इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी ओपन में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाले आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। कर्नाटक के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी का सामना दूसरे दौर में जापान के चौथे वरीय कोडाई नराओका से होगा।

मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

राष्ट्रीय खेल 2023 के स्वर्ण पदक विजेता मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। इस वर्ष के शुरू में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे श्रीकांत का अगला मुकाबला जापान के शोगो ओगावा या एडवर्ड लाउ से होगा।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। निशिमोतो ने पिछले सप्ताह जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन को हराया था। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया, टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

–फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नौवां शतक लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है।

रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान रिंकू को गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था। रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे।

रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की है। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए वह वनडे एकादशीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं।

रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 रहा है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

अब दो से तीन दिन में टेस्ट समाप्त हुआ तो टीमों के अंक काट सकती है आईसीसी !

–विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में भेज सकती है अपने क्यूरेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस प्रकार से हाल में पिच या किसी अन्य कारण से कुछ टेस्ट मैच दो या तीन दिनों में ही समाप्त हो रहे हैं। उससे क्रिकेट की शीर्ष संस्था (आईसीसी) भी चिन्तित है। आईसीसी अब विचार कर रही है कि अब जो भी मैच कम दिनों में समाप्त होंगे उसमें टीमों के मैच अंक काटे जायें। वहीं ये बात चल रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में अब आईसीसी को अपने क्यूरेटर भेजने चाहिये। हाल में जिस प्रकार से सिडनी और अब कोलकाता में टेस्ट मैच तीन दिनों में समाप्त हुए हैं उसे टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है।

जनवरी 2025 में सिडनी की पिच बेहद खराब थी। बहुत पहले जनवरी 2024 में केप टाउन का मैच दो दिनों में खत्म हो गया था। जो याद रहता है वह यह कि ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में जीत दर्ज कर सीरीज 3-1 से अपने नाम की, और भारत ने न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर ऑल आउट कर हराया। न्यूलैंड्स की पिच से आईसीसी संतुष्ट नहीं है। इसके बावजूद टीमें अपनी पसंद की पिचें तैयार करवाती रही हैं, जिससे पांच दिन के टेस्ट मुकाबले तीन दिनों में सिमट जाते हैं। घरेलू हालातों से होने वाले लाभ से किसी को कोई परेशानी नहीं है। यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है। टर्नर पिचों वाले मैदानों से भी किसी को आपत्ति नहीं है पर टेस्ट मैच ढाई दिन में खत्म होना किसी को भी पसंद नहीं है। हाल ही में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज रोमांचक इसलिए थी क्योंकि हर मैच पांचवें दिन तक गया। कम से कम मैच चौथे दिन तक तो पहुंचना ही चाहिए। यही खेल को 150 वर्षों से बनाए हुए है, और कोई इसे कम नहीं कर सकता। कुछ भी हो, मैच जीतने की चाह और टेस्ट को दो दिन में खत्म होने से बचाने के बीच संतुलन जरूरी है। क्यूरेटर्स को यह अधिकार होना चाहिए कि अगर उन पर दबाव डाला जा रहा हो तो वे अपनी बात रख सकें, और आईसीसी को आगे आकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तीन दिन से कम चलने वाले टेस्ट मैच टीमों के खिलाफ गिने जाएं। खासतौर पर डब्ल्यूटीसी में बेहतर क्यूरेटर होना चाहिए तभी टेस्ट मैचों का भविष्य रहेगा।

होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच में बनाये कई रिकार्ड, लारा की बराबरी की

नेपियर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसी मैच में शतकीय पारी खेलकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस पारी के साथ ही उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 19 एकदिवसीय शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। होप अब टेस्ट खेलने वाली हर टीम के खिलाफ शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। होप ने कठिन पिच पर बेहद संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 109 रन बनाये। अब वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ही से 25 शतक लगाकर उनसे आगे हैं। यह शतक न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका पहला था, जिससे उन्होंने सभी टीमों के विरुद्ध शतक मारने की उपलब्धि पूरी कर ली इस मुकाबले के दौरान शाई होप ने अपने 6000 एकदिवसीय रन पूरे किये। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज और दुनिया के 9वें बल्लेबाज हैं। इस मामले में पहले नंबर पर हाशिम अमला है जिन्होंने केवल 123 पारी में 6000 एकदिवसीय रन बनाये थे। विकेटकीपर कप्तान के तौर पर होप का यह छठा शतक है। ऐसा कर उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

स्मिथ को लगी गेंद पर पहला टेस्ट खेलेंगे

पर्थ। एशेज क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम की धड़कनें तब बढ़ गयी जब टेस्ट के लिए कप्तान बनाये गये स्टीव स्मिथ को एक गेंद लग गयी। स्मिथ को अभ्यास के दौरान ही कलाई में ये गेंद लगी थी। जिसके बाद फिजियो ने उनका इलाज किया। टीम ने तब राहत की सांस ली जब थोड़े समय बाद ही स्मिथ मैदान पर लौटे और बल्लेबाजी करते दिखे। ऐसे में माना जा रहा है कि शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में वह खेलेंगे। गौरतलब है कि स्मिथ एशेज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 37 एशेज टेस्ट में 3,417 रन बनाए हैं, उनके 12 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल उन्होंने छह टेस्ट में 515 रन बनाए हैं और उनका औसत 51.50 रहा है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के घायल होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले एशेज टेस्ट में स्मिथ की कप्तानी में उतरेगी। कमिंस दूसरे टेस्ट में वापसी कर सकते हैं।

विश्व कप का प्रभाव : हरमनप्रीत कौर का ब्रांड पोर्टफोलियो तीन गुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली। विश्व कप जीतने के बाद विभिन्न ब्रांड भारतीय महिला क्रिकेटरों में भी दिलचस्पी दिखाने लग गए हैं। इन खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं, जिनके विज्ञापन पोर्टफोलियो में आने वाले महीनों में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में नादिन डी क्लार्क का कैच लेकर भारत को दक्षिण अफ्रीका पर जीत दिलाने वाली हरमनप्रीत विश्व कप से पहले आठ से ज्यादा ब्रांड से जुड़ी थीं लेकिन उनकी मैनेजर नूपुर कश्यप ने बताया कि अब यह बदलाव आ रहा है। कश्यप ने कहा, 'विश्व कप से पहले हरमनप्रीत आठ दस ब्रांड से जुड़ी थीं लेकिन विश्व कप के बाद उनकी कीमत और ब्रांड की संख्या में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। गैर-खेल पारंपरिक क्षेत्र के ब्रांड उनसे संपर्क कर रहे हैं और उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं।' कश्यप ने कहा कि 2017 का फाइनल भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन आठ साल बाद खिताबी जीत ने खेल की लोकप्रियता और ब्रांड की रुचि को दूसरे स्तर पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों की बिजनेस मैनेजर होने के कारण मैंने देखा है कि विशेष कर विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट में रुचि और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले महिला खिलाड़ियों को कुछ ब्रांड तक सीमित रखा जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब हम मानसिकता में बहुत बदलाव देख रहे हैं।' कश्यप ने कहा, 'अब स्थिति बदल रही है और ब्रांड महिला क्रिकेटरों को मजबूत, सक्षम और निपुण खिलाड़ियों के रूप में प्रदर्शित करने के महत्व को पहचानने लगी हैं। ऐसा करके वे न केवल महिला एथलीटों के बारे में सोच बदल रहे हैं, बल्कि अधिक समावेशी और सहायक खेल संस्कृति में भी योगदान दे रहे हैं।'

भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम 8 मैच

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2026-27 सत्र के तीन मैच हार गयी है। दो बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस बार के चक्र में पहले 8 मैचों में से तीन मैच हार गयी है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और चार मैच जीते हैं। ऐसे में अब भारतीय टीम को आगे के बचे हुए 10 मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी भी 10 मैच हैं जिसमें वह हालात बदल सकती है इसमें अगर वह आठ मैच जीतती है तो फाइनल में पहुंच जाएगी पर इससे कम में उससे काफी मुश्किलें होंगी। अभी शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम अंक तालिका में 54 फीसदी के करीब मैच जीतकर चौथे स्थान पर है। वहीं डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए 64 से 68 फीसदी जीत हासिल करनी होगी। इससे साफ है कि टीम को अब अधिक से अधिक मैच जीतने होंगे।

अब एक हार भी टीम के लिए फाइनल की राह को कठिन बनाएगी। भारतीय टीम के बाकी बचे मैचों की बात करें तो अभी उसका एक मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होना शेष है, जबकि इसके बाद भारतीय टीम श्रीलंका में दो टेस्ट खेलने हैं और इतने ही टेस्ट मैचों न्यूजीलैंड में खेलेगी। इस प्रकार उसे 10 मैच खेलने हैं।

वहीं भारतीय टीम को घर पर ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होगी। इस उसके लिए जीत की राह आसान नहीं कही जा सकती है। अगर भारतीय टीम शेष बचे हुए 10 मैचों में से 8 मैच भी जीत जाती है तो फाइनल के लिए आसानी से क्वालीफाई कर जाएगा पर अगर उसे कम जीतती है तो उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। ऐसे में उसका फाइनल में जगह बनाना अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

रबाडा का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध, किसी के बाहर रहने से फर्क नहीं

–जो भी उतरेगा उसे अपनी भूमिका पता है

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा अभी तक अपनी पसलियों की चोट से नहीं उबरे हैं और ऐसे में उनका गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। रबाडा का कहना है कि वह या कोई अन्य खिलाड़ी बाहर भी बैठता है तो भी उनकी टीम की जीत की संभावनाएं कम नहीं होतीं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसमें जो भी खेलेगा वह टीम को जीत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बाद भी जीत की राह तलाशने की क्षमताओं से बेहद प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उनके बिना भी पहले टेस्ट में भारतीय टीम के के खिलाफ जीत दर्ज की थी। टीम की गेंदबाजी भी कहीं से कमजोर नहीं थी।

रबाडा ने एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका तलाश लेते हैं। कप्तान तेम्बा बावुमा ने पहले मैच में हमारे लिए अहम योगदान दिया है पर वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।' दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बावुमा के बिना भी पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई खिलाड़ी बाहर है। जो भी मैदान पर उतरेगा वह अपनी भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ईडन गार्डन्स के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने कहा, 'कोलकाता में पहली पारी में एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा योगदान दिया।

रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने कहा, 'यह जीत निश्चित रूप से शीर्ष पर है।'

शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों का फीका प्रदर्शन, अफगानिस्तान से हारा भारत

बेंगलुरु। अफगानिस्तान ने बुधवार को यहां अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में भारत बी को 71 रन से हरा दिया। भारत बी ने नमन पुष्पक (45 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी से अफगानिस्तान को 45.2 ओवर में 168 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से इशान सूद ने भी 24 रन पर दो विकेट चटकाए। अफगानिस्तान की तरफ से फैजल शिनोजादा (58 रन, 76 गेंद, सात चौके) ने अर्धशतक जड़ा जबकि अजीजुल्लाह मैखिल ने 42 रन की उम्दा पारी खेली जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इसके जवाब में भारत बी की टीम सलामी बल्लेबाज युवराज गोहिल की 80 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के से नाबाद 60 रन की पारी के बावजूद 29.3 ओवर में 97 रन पर ढेर हो गई। युवराज के अलावा भारत का कोई भी अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल अजीज ने 36 रन देकर छह विकेट चटकाए जबकि सलाम खान (18 रन पर दो विकेट) और वहीदुल्लाह जादरान (12 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट हासिल किए। इस जीत से अफगानिस्तान की टीम के भारत ए के समान चार अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह शीर्ष पर है। पहले मैच में भारत ए के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली भारत बी की टीम अंतिम स्थान पर है जिसे अपने अंकों का खाता खुलने का इंतजार है।

बीसीसीआई ने ईडन गार्डन में आदर्श पिच बनाने को कहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता में हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान की पिच की आलोचना से सबक लेते हुए गुवाहाटी में एक आदर्श पिच बनाने के निर्देश दिये हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बारसापारा में लाल मिट्टी की पिच रहेगी। वहीं कोलकाता में काली मिट्टी की पिच थी। लाल मिट्टी की पिचें लगातार उछाल देती हैं और जल्दी टूटती नहीं हैं। इससे साफ है कि इस पिच पर बाद में स्पिनरों को लाभ होगा।

बीसीसीआई ने गुवाहाटी के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक को किस प्रकार की पिच बनानी है। इसकी जानकारी दे दी है। बोर्ड नहीं चाहता कि पहली बार टेस्ट का आयोजन कर रहे गुवाहाटी के साथ 'रैंक टर्नर' का तमगा जुड़ जाये। यही कारण है कि दूसरे टेस्ट में पिच से गति और उछाल मिलने की उम्मीद की जा रही है। अगर गेंद स्पिन भी करती है, तो भी वह गति और उछाल के साथ होगी। इससे बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान रहेगा। बीसीसीआई यह भी पक्का करना चाहता है कि पहले दिन से ही पिच में असमान उछाल न हो। ये सभी जानते हैं कि भारत में पिचें टूटती हैं और बल्लेबाजों को अनियंत्रित उछाल के कारण परेशानी होती है। अब बोर्ड गुवाहाटी में कोलकाता जैसे हालात नहीं चाहता है। बरसापारा की पिच लाल मिट्टी से बनी है, जिससे तेज गति और उछाल मिलने की संभावना अधिक होती है। भारतीय टीम ने घरेलू सत्र से पहले ही अपनी मांगें स्पष्ट कर दी थीं। इसलिए, अगर पिच से उछाल मिलता है, तो वह तेज गति और उछाल के साथ घूमेगी। वहीं क्यूरेटर यह तय करने का प्रयास कर रहे हैं कि कोई खास उतार-चढ़ाव वाला उछाल न हो।

मानसिक रूप से तरोताजा रहने में कैसे मिलती है मदद, शार्दुल ठाकुर ने बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने बुधवार को कहा कि घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है। शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा कार्यक्रम की भी सराहना की जो लगातार दूसरे सत्र में दो चरण में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पहले इस प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना की थी जिसमें मैचों के बीच केवल तीन दिन का अंतराल होता था।

शार्दुल ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की पुडुचेरी पर पारी और 122 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'इस पर हमेशा मिश्रित राय होगी लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। लगातार दस मैच खेलना शरीर के लिए कठिन होता है।' उन्होंने कहा, 'हमने यह भी देखा है कि ब्रिटेन में कार्यक्रम कैसा होता है। वे लगातार सात या आठ प्रथम श्रेणी मैच खेलते हैं और फिर ब्रेक के बाद खेलते हैं। वे बीच में कुछ सीमित ओवरों के मैच भी रखते हैं जिससे कि सभी मानसिक रूप से तरोताजा रहें।'

शार्दुल ने कहा, 'बजाय आप तीन महीने तक सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं और फिर अचानक सीमित ओवरों का क्रिकेट और फिर लाल गेंद का क्रिकेट पीछे छूट जाता है। इसलिए यह अच्छा है कि हम पांच मैच खेल रहे हैं और हमें थोड़ा ब्रेक मिल रहा है। फिर हम सीमित ओवरों का टूर्नामेंट खेलेंगे और फिर से लाल गेंद के क्रिकेट में उतरते हैं। इस तरह सभी लय में रहते हैं। वे दोनों प्रारूप के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहते हैं।'

आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियन्स से जुड़ने पर शार्दुल ने कहा कि यह काफी समय से लंबित था। उन्होंने कहा, 'हर कोई अपने घरेलू स्थल और घरेलू मैदान पर खेलना पसंद करता है। मुझे लगता है कि यह कई वर्षों से लंबित था। लेकिन जब समय आएगा तभी यह संभव होगा। मुझे लगता है कि आखिरकार समय आ गया है।'

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई को हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले भी 28 मार्च, 2025 को हुए हिंसक आंदोलन के बाद प्रसाई को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि अदालत के आदेश के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था।

बहुत घटिया रिपोर्टर हो', पत्रकारों ने पूछे तीखे सवाल तो गुस्से से तिलमिला गए ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर महिला पत्रकारों पर निजी और कड़ा हमला बोला है। पहले उन्होंने एक रिपोर्टर को 'चुप रहो, पिग्गी कहा', फिर दूसरी को 'घटिया रिपोर्टर' बताकर एबीसी न्यूज की ब्रॉडकास्ट लाइसेंस रद करने की धमकी दी। यह सब कुछ कुछ ही दिनों के अंतराल में हुआ है। घटना का सिलसिला शुक्रवार से शुरू हुआ जब एयर फोर्स वन में ब्लूमबर्ग की रिपोर्टर कैथरीन लूसी ने जेफरी एप्स्टीन से जुड़े सवाल पूछे थे। मंगलवार को यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और विवाद खड़ा हो गया। एयर फोर्स वन में कैथरीन लूसी ने ट्रंप से शुक्रवार को पूछा, 'अगर जेफरी एप्स्टीन के फाइलों में आपका कुछ नहीं है, तो आप उन्हें रिलीज क्यों नहीं करते? ' इस सवाल पर ट्रंप भड़क गए। उन्होंने उंगली दिखाते हुए कहा, 'चुप रहो। चुप रहो, पिग्गी। ' यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर मंगलवार को सामने आई। सीएनएन के मशहूर एंकर जेक टैपर ने इसे 'घिनौना और पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया है। इसके बाद मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मौजूदगी में एबीसी न्यूज की रिपोर्टर मैरी ब्रूस ने सवालों की झड़ी लगा दी। पहले उन्होंने ट्रंप के परिवार के सऊदी अरब के साथ कारोबारी संबंधों पर सवाल उठाया। फिर रिपोर्टर ने क्राउन प्रिंस से सीधा सवाल किया, 'अमेरिकी खुफिया एजेंसी का निष्कर्ष है कि आपने ही पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या करवाई थी। 9/11 के पीड़ित परिवार नाराज हैं कि आप ओवल ऑफिस में हैं।

रॉयल मिंट ने जारी किया फ्रीडी मर्करी का विशेष सिक्का

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल मिंट ने क्वीन बैंड के मशहूर फ्रंटमैन फ्रीडी मर्करी को समर्पित विशेष सिक्का जारी किया। यह स्मारक सिक्का उनके ऐतिहासिक लाइव एड (1985) प्रदर्शन के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। सिक्के पर मर्करी की उनकी पहचान बनने वाली मुद्रा पीछे की ओर झुका सिर और हाथ में माइक्रोफोन स्टैंड की छवि बनी है। यह सिक्का म्यूजिक लेजेंड्स कलेक्शन का हिस्सा है, जो संगीत प्रशंसकों और संग्राहकों के बीच लोकप्रिय है।

परमाणु पनडुब्बी मंजूरी पर भड़का उत्तर कोरिया, कहा- बेहद गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने की हरी झंडी देने पर उत्तर कोरिया भड़क गया। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के दक्षिण कोरिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां विकसित करने की मंजूरी को बेहद गंभीर बताया। उसने कहा कि इससे क्षेत्र में परमाणु युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि परमाणु पनडुब्बी परियोजना सियोल को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने की रणनीतिक चाल है। गौरतलब है कि अमेरिका ने हाल ही में दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बी बनाने की स्वीकृति देने की घोषणा की है।

सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका: ट्रंप

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का एलान किया है। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद सऊदी अरब के नेता की यह पहली व्हाइट हाउस यात्रा होगी। सऊदी अरब खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इन्कार करता रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को यह विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे।

सिडनी में भारतीय मूल की प्रेगनेंट महिला की दर्दनाक मौत

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। महिला 8 महीने की प्रेगनेंट थी और कुछ ही दिनों में उसकी डिलीवरी होने वाली थी। हालांकि हादसे में उसे और बच्चे को बचाया नहीं जा सका। 9 न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सिडनी के हॉर्न्सबी में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की चपेट में आने से 33 वर्षीय भारतीय मूल की आठ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना के पीड़ित, समन्वय धारेश्वर अपने पति और अपने 3 साल के बेटे के साथ पैदल जा रही थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब वे सड़क पार कर रहे थे, तब एक किआ कार्निवल ने परिवार के फुटपाथ पार करने देने के लिए अपनी गति धीमी कर ली थी। हालांकि तभी 19 वर्षीय युवक आरोन पापाजोग्लू द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू सेडान कथित तौर पर किआ से टकरा गई, जिससे वह आगे की ओर उछल गई और धारेश्वर से जोर से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सर्विसेज तुरंत मौके पर पहुंची और पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही उसका इलाज किया, उसके बाद उसे वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद, धारेश्वर और उसके अजन्मे बच्चे, दोनों को बचाया नहीं जा सका। वहीं घटना में घायल हुए आरोपी को प्राथमिक इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 वर्षीय युवक को हॉर्न्सबी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उस पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, लापरवाही बरतने और एक गर्भवती महिला की मृत्यु के आरोप लगाए गए हैं।

बांग्लादेश को दूसरा आतंकी मुल्क बनने से रोके भारत, हसीना के 'सांसदों' ने खुलकर मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणद्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद, अवामी लीग के ये शीर्ष नेता खुलकर सामने आ गए हैं। ये लोग वर्तमान में अज्ञात स्थानों पर निर्वासन में जी रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वे तभी बांग्लादेश लौटेंगे जब राजनीतिक समावेशन सुनिश्चित होगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में न्यायिक राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत हसीना को शरण, सम्मान और सुरक्षा देना जारी रखेगा।

'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करने वाले कई अवामी लीग नेताओं और पूर्व सांसदों ने बताया कि पार्टी के लगभग सौ से अधिक नेता विदेशों में रह रहे हैं और इतने ही नेता एवं हजारों कार्यकर्ता बांग्लादेश में जेलों में बंद हैं। चार बार के सांसद नाहिम रज्जाक ने कहा कि सरकार द्वारा अवामी लीग को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार पार्टी पर

प्रतिबंध, नेताओं पर आपराधिक मुकदमे, परिवारों को निशाना बना रही है और बैंक खातों पर रोक लगा रही है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आया यह फैसला उन्हें और अधिक प्रेरित कर रहा है। रज्जाक ने कहा- वापस जाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन अगर पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटे और हमें जमानत मिले, तो हमारा पूरा नेतृत्व और कैडर संघर्ष के लिए तैयार है।

सभी नेताओं का मानना है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अधिक दिन टिक नहीं पाएगी। पूर्व वस्त्र एवं जूट मंत्री जाहिद नानक ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में होने वाला कोई भी चुनाव विश्वसनीय नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यूनुस को इस्तीफा देना ही होगा। अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके नेतृत्व में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे।

71 वर्षीय नानक ने भारत से यह उम्मीद जताई कि वह बांग्लादेश को दूसरा आतंकी या इस्लामिक स्टेट जैसा राष्ट्र बनने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को हमारे साथ खड़ा होना होगा। आईटीसी का गठन करने और प्रधानमंत्री को गैर-कानूनी तरीके से मौत की सजा सुनाने वाली इस अंतरिम सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारत को सहायता करनी चाहिए।

तीन बार सांसद रहे पंकज नाथ ने कहा कि हसीना को दी गई मौत की सजा से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि हसीना की अनुपस्थिति में कोई भी चुनाव स्वीकार्य नहीं होगा। जनता भी ऐसे चुनाव में भाग नहीं लेगी। नाथ ने जेल में बंद नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामान्य माफी देने की मांग की और कहा कि जल्द ही बांग्लादेश में एक बड़ा जनउभार हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि भारत अपने पड़ोस में ऐसे अत्याचार को नहीं होने देगा। अवामी लीग कार्यकारी समिति के संयुक्त सचिव और पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि शेख हसीना निर्वासन में होने के बावजूद इंटरनेट कॉल्स और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद भी उन्होंने नेतृत्व को संदेश भेजा।

आर्मी चीफ के 'ट्रेलर' वाले बयान से खौफ में पाकिस्तान

रक्षा मंत्री बोले- भारत फिर हमला करेगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का भारतीय सेना के ऑपरेशन का डर दुनिया के सामने साफ दिख रहा है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि भारत सीमा पारहमला कर सकता है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान भारतीय सेना प्रमुख के बयान को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। '

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने ये बयान तब दिया है जब भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद से बाज आने की साफ चेतावनी देते हुए कहा था कि 88 घंटे का ऑपरेशन सिंदूर तो ट्रेलर था भविष्य में ऐसी कोई परिस्थिति आयी तो हम पड़ोसी देश के साथ जिम्मेदारी से पेश आने का सबक सिखाने के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान के एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान घुसपैठ करता है और भारत इसमें भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब

अमीरात, ईरान, चीन और अन्य देश पाकिस्तान में सीमा पार घुसपैठ को समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अफगानिस्तान 'आतंकवादियों' का अड्डा बन गया है।

भारतीय सेना का डर से क्या बोले पाक रक्षा मंत्री?

आसिफ ने कहा कि भारत नहीं चाहता कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान अपने मुद्दों को सुलझाएं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दो मोर्चों पर उलझ सकता है और ऐसी स्थिति में भारत युद्ध के जोखिम से बच सकता है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि कई लोग भारत को उसके पिछले अपमान की याद दिलाते हैं। पाकिस्तान किसी भी रूप में भारत पर भरोसा नहीं कर सकता और भारत सीमा पार हमले का प्रयास भी कर सकता है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान को गाजा पर अंतर्राष्ट्रीय बलों का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब्राहम समझौते में शामिल होने की योजना नहीं बना रहा है और समझौते पर उसकी स्थिति पूरी तरह साफ है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान तब तक अपना रुख नहीं बदल सकता जब तक दो-राज्य समाधान लागू नहीं हो जाता। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि तेज जनसंख्या वृद्धि एक टिक-टिक करते बम की तरह है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सबसे शक्तिशाली संस्था नौकरशाही है और जब तक यह शक्ति निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास नहीं जाती।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28-बिंदुओं की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ गोपनीय चर्चा जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ गोपनीय तरीके से 28-बिंदुओं वाली योजना तैयार कर रही है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप की यह नई योजना 20-बिंदुओं वाली गाजा शांति योजना से प्रेरित है। एक वरिष्ठ रूसी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप इस योजना को लेकर आशावादी हैं। योजना में चार मुख्य बिंदु शामिल होंगे- यूक्रेन में शांति, सुरक्षा गारंटी, यूरोप में सुरक्षा और अमेरिका के रूस और यूक्रेन के साथ भविष्य के संबंध। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह शांति योजना पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में रूस के क्षेत्रीय नियंत्रण जैसे बड़े मुद्दों को कैसे संभालेगी। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विटकॉफ ने इस योजना पर रूसी प्रतिनिधि किरील दिमित्रीव के साथ विस्तार से चर्चा की है। दिमित्रीव ने एक्सिओस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 24-26 के बीच मियामी में विटकॉफ और ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ तीन दिन बिताए। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें लगता है कि रूसी पक्ष की बात सच में सुनी जा रही है, इसलिए इस इस समझौते के सफल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल यूक्रेन संघर्ष पर नहीं, बल्कि रूस की सुरक्षा चिंताओं और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने पर फोकस करती है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बहुत व्यापक ढांचा है, जो कहता है कि कैसे हम आखिरकार यूरोप को स्थायी सुरक्षा दें, केवल यूक्रेन को नहीं।

जापान के शहर में भीषण आग से हाहाकार, 170 से ज्यादा इमारतें जलकर खाक

टोक्यो, एजेंसी। जापान का एक शहर भीषण आग की चपेट में आ गया है। 170 से ज्यादा इमारतें इस आग में जलकर खाक हो गई हैं। आग इतनी भयंकर है कि इसपर काबू पाना मुश्किल हो गया है। रात भर की मशक्कत के बाद भी आग को पूरी तरह से नहीं बुझाया जा सका है। यह आग जापान की राजधानी टोक्यो से महज 770 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ओइता शहर के सागानोसेकी जिले में लगी है। आग से बचने के लिए 175 के आसपास लोगों ने इमरजेंसी शेल्टर में शरण ली है। आग मंगलवार शाम को लगभग 5:40 बजे (भारतीय समय के अनुसार 8:40 बजे) लगी थी। दमकल विभाग ने आग से जुड़ी जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, एक व्यक्ति गायब है, जिसकी तलाश की जा रही है। जापान के शहर में लगी आग की कई तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं, जिनमें आग की ऊंची-ऊंची लपटों और काले धुएं के गुबार को देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आग इतनी भयंकर थी कि रिहायशी इलाकों के अलावा पहाड़ी जंगलों तक फैल गई है। यही वजह है कि दमकल कर्मियों के लिए आग बुझाना मुश्किल हो गया है। जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आग से जुड़ी पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि ओइता प्रांत के राज्यपाल के अनुरोध पर सैन्य अग्निशमन हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं।

भारतीय महिला को परेशान करना बंद करें', लाहौर हाईकोर्ट ने सरबजीत को पुलिस उत्पीड़न से दी सुरक्षा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर ली थी। महिला की मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से मित्रता सोशल मीडिया पर हुई थी। सरबजीत कौर (48) 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ महीने की शुरुआत में गुरु नानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुई थी।

तीर्थयात्री 13 नवंबर को घर लौट आए, लेकिन सरबजीत लापता हो गई थी। लाहौर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बाद में बताया कि सरबजीत ने चार नवंबर को पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखुपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली। मंगलवार को सरबजीत और नासिर ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखुपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी तोड़ने का दबाव डाला।

भारतीयों से नफरत करते हैं जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट एरिक ट्रंप ने एक बार फिर ममदानी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। फॉक्स न्यूज के होस्ट शॉन हनिटी से बातचीत में एरिक ट्रंप ने ममदानी पर अतिवामपंथी एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममदानी की विचारधारा न्यूयॉर्क जैसे बड़े अमेरिकी शहरों को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि ममदानी भारतीयों से नफरत करते हैं।

एरिक ने दावा किया कि- ममदानी सोशलिस्ट... कम्युनिस्ट... हैं जो किराना स्टोर्स का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं, नेतन्याहू को गिरफ्तार करना चाहते हैं, यहूदी समुदाय से नफरत करते हैं और भारतीय आबादी से भी

नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि ममदानी की नीतियां निगमों और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

एरिक ट्रंप के अनुसार- न्यूयॉर्क कभी दुनिया का सबसे बेहतरीन शहर था, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है- और इसकी वजह है बुरी राजनीति। उन्होंने कहा कि ममदानी को सड़कों की सुरक्षा, शहर की सफाई और उचित टैक्स जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि सरकारी दखल बढ़ाने पर। एरिक ट्रंप ने ममदानी की तुलना कांग्रेसवुमन एओसी से करते हुए कहा कि उनके विरोध के कारण ही अमेजॉन का प्रस्तावित मुख्यालय न्यूयॉर्क नहीं आया, जिससे हजारों उच्च वेतन वाली नौकरियां शहर के हाथ से निकल गईं। इस चर्चा से पहले एरिक ट्रंप ने टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में भी ममदानी को पागलपन भरी वामपंथी नीतियों वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि एक कम्युनिस्ट के हाथों शहर का शासन विनाशकारी होगा। अपने चुनावी विजय भाषण में ममदानी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा था- डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं- वॉल्यूम बढ़ाइए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई जगह यह दिखा सकती है कि ट्रंप जैसे नेता से निराश देश कैसे उनसे आगे बढ़ता है, तो वह जगह है- वही शहर जिसने उन्हें जन्म दिया न्यूयॉर्क। एरिक ट्रंप के आरोपों ने न्यूयॉर्क के भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों में बहस छेड़ दी है।

शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे।

अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, 'भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां

की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा। '

शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश की न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए सवाल

शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे। इसलिए, कोई उचित प्रक्रिया नहीं थी। प्रत्यर्पण के लिए उचित प्रक्रिया का होना आवश्यक है। '

अमेरिकी सरकार की ओर से उन पर कोई दबाव बनाए जाने के सवाल पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा, 'नहीं, हमें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली है। बस एक मामूली समस्या यह थी कि अमेरिका एकमात्र ऐसा देश था, जिसने हमारे 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था। इसके अलावा, चुनावों को सभी ने शांतिपूर्ण माना था। इसलिए, कोई सीधा दबाव नहीं था। अब, अमेरिका में एक बिल्कुल नई सरकार है। स्थिति पूरी तरह से अलग है। हमने दृष्टिकोण में एक बहुत ही स्पष्ट बदलाव देखा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस साल की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे। वह पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर रहे थे। अमेरिका का रवैया निश्चित रूप से बदल गया है, और वे बांग्लादेश में आतंकवाद के खतरे और इस्लामवाद के उदय को लेकर पिछले प्रशासन से कहीं ज्यादा चिंतित हैं। ' सजीब वाजेद ने आगे बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'अगर मोहम्मद यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव क्यों नहीं कराते और फिर देश को वैधता से क्यों नहीं चलाते? वे डेढ़ साल से बिना चुनाव कराए सत्ता में बने हैं। असल में उनके पास बिल्कुल भी जनसमर्थन नहीं है। छात्रों की तरफ से गठित राजनीतिक दल- एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी), बांग्लादेश में हुए सभी चुनावों में 2 प्रतिशत वोट हासिल कर रही है।

शशि थरूर की पोस्ट पर सुप्रिया श्रीनेत का पलटवार, मुझे पीएम मोदी के भाषण में कुछ भी सराहनीय नहीं लगा

कांग्रेस नेता थरूर ने पीएम मोदी के भाषण की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर सांसद शशि थरूर द्वारा की गई सकारात्मक समीक्षा को खारिज कर कहा कि उन्हें भाषण में सराहना लायक कुछ भी नहीं लगा। कांग्रेस सांसद थरूर के पोस्ट का जवाब देकर श्रीनेत ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री मोदी के भाषण में सराहना लायक कुछ भी नहीं लगा। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री को कई बातों का जवाब देना चाहिए।

श्रीनेत ने कहा कि वे एक अखबार के कार्यक्रम में थे। उन्हें हमें बताना चाहिए था कि निष्पक्ष पत्रकारिता से उन्हें क्या दिक्कत है। उन्हें बताना चाहिए था कि वे सच दिखाने और बोलने वालों से खुश क्यों नहीं है। श्रीनेत ने कहा कि मुझे उनकी सराहना करने का कोई कारण नहीं दिखा। मुझे नहीं पता कि उन्हें (शशि थरूर) इसकी कोई वजह कैसे मिल गई। मुझे वहां एक तुच्छ भाषण लगा। उन्होंने वहां भी कांग्रेस की आलोचना की।

उनकी टिप्पणी थरूर की पोस्ट के माध्यम से की गई प्रतिक्रिया से बिल्कुल विपरीत थी, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन पर प्रकाश डाला था। थरूर ने लिखा कि उन्होंने व्याख्यान में भाग लिया था और उन्होंने देखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के लिए भारत की रचनात्मक अधीरता की बात की थी और उपनिवेशवाद-विरोधी मानसिकता पर जोर दिया था। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को उभरता हुआ बाजार नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक उभरता हुआ मॉडल बताया, देश के आर्थिक लचीलेपन पर जोर देकर कहा कि वह लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए चुनावी मूड में नहीं, बल्कि भावनात्मक मूड में है।

थरूर ने कहा कि भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मैकाले की 200 साल पुरानी गुलामी मानसिकता की विरासत को पलटने और भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान प्रणालियों में गौरव बहाल करने के लिए 10 साल के राष्ट्रीय मिशन की अपील पर केंद्रित था। उन्होंने कहा, बुरी सर्दी और खांसी से जूझने के बावजूद दर्शकों के बीच उपस्थित रहकर खुशी हुई!

अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा को लेकर चिंतित, चचेरे भाई रमेश बिश्नोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने केंद्र की मोदी सरकार से अपील की है कि अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा सुनिश्चित करे, जिन्हें अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया है।वहीं, एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने केंद्र और राज्य सरकारों से पुरजोर अपील की है कि अनमोल को तुरंत भारत लाकर पूछताछ और गिरफ्तारी की जाए। उन्होंने केंद्र सरकार से अनमोल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। रमेश बिश्नोई का दावा है कि अनमोल को केवल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई होने की सजा मिल रही है। उन्होंने कहा कि जांच में सब कुछ सामने आ जाएगा और अनमोल निर्दोष साबित होगा। उन्होंने कहा कि उनका परिवार कानून का सम्मान करता है और कानून का पालन करने वाले लोग हैं। परिवार की मुख्य चिंता यह है कि अनमोल की बेहतर सुरक्षा केंद्र सरकार तय करे। उन्हें पीड़ित अधिसूचना के माध्यम से एक ईमेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि संघीय सरकार ने अनमोल बिश्नोई को 18 नवंबर तक संयुक्त राज्य अमेरिका से हटा दिया है। उन्होंने केंद्र से अनमोल को अमेरिका से भारत वापस लाने और राज्य सरकार से मुंबई लाकर पूछताछ और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का पुरजोर अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार को अभी भी न्याय का इंतजार है। उनकी मांग है कि उनके पिता की हत्या के पीछे की पूरी साजिश सामने आनी चाहिए, क्योंकि उनके पिता का बिश्नोई से कोई लेना-देना नहीं था और कोई भी सिर्फ अपने मतलब के लिए ऐसा नहीं करेगा।

ध्वजारोहण समारोह के कारण 25 नवंबर को भक्तों के लिए बंद रहेगा राममंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह के कारण राममंदिर आम भक्तों के लिए बंद रहेगा। ध्वजारोहण समारोह के दिन आमंत्रित अतिथियों को ही रामलला के दर्शन होंगे। 26 नवम्बर को भोर में चार बजे से आम भक्तों के लिए श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंगलवार को हुई बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने रामविवाह के कारण अयोध्या में बड़ी संख्या में आने वाले रामभक्तों को दर्शन कब कराएंगे के जवाब में यह जानकारी दी। ध्वजारोहण समारोह और रामविवाह उत्सव एक दिन होने से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या आम दिन की तुलना में अधिक रहेगी। अयोध्या जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने बताया कि राममंदिर ध्वजारोहण समारोह में जो आमंत्रित अतिथि एक दिन पूर्व आ जायेंगे उनको 24 नवंबर को ही रामलला के दर्शन करा दिये जाएंगे। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि अयोध्या में 24 नवम्बर को आने वाले राममंदिर ध्वजारोहण समारोह के अतिथियों के रुकने आने जाने और उनके वाहनों की पार्किंग सब तय कर लिए गए हैं। 25 नवम्बर को कौन सा वाहन उनको राममंदिर ले जाएगा, सब सुनिश्चित कर आने वाले अतिथियों को ट्रस्ट सभी जानकारियों और सूचनाओं को साझा कर चुका है।

पटना के मरीन ड्राइव पर हाईवोल्टेज ड्रामा, पुलिसवाला... प्रेग्नेंट महिला पर स्कूटी चढ़ाने लगा

पटना (एजेंसी)। पटना के मरीन ड्राइव पर चालान काटने को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा दिखाई दिया। बात इतनी बढ़ गई की पुलिस वाला प्रेग्नेंट महिला पर स्कूटी चढ़ाने लगा। इस पर महिला चिल्लाती रही। कहती रही कि मैं प्रेग्नेंट हूं ऐसा मत कीजिए, लेकिन पुलिस वालों ने उस गर्भवती महिला की एक न सुनी। वे स्कूटी पर बैठे और स्टार्ट कर के ले जाने लगे। महिला सामने खड़ी हुई, तब पुलिस वालों ने गाड़ी नहीं रोकी। महिला पर चढ़ा दी। करीब 20 मीटर तक महिला स्कूटी पर लटकी रही। इस दौरान महिला को चोट भी आई है। महिला अपने पति के साथ मरीन ड्राइव घूमने गई थी। यू टर्न दूर था, तब दोनों गाड़ी हाथ में लेकर रॉन्ग साइड से लौट रहे थे, तभी पुलिस पहुंच गई। मामले का वीडियो भी सामने आया है, जो अभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला का पति स्कूटी धक्का देकर आगे बढ़ रहा था। इसी बीच एक पुलिसकर्मी पहुंचा। उसने कहा कि आप लोग रॉन्ग साइड से आ रहे हैं, चालान कटेगा। महिला के पति ने कहा कि हम रॉन्ग साइड से हैं, पर स्कूटी चला नहीं रहे हैं न। पुलिस ने स्कूटी के पेपर चेक किए, तब पहले से 12,000 रुपए का फाइन था। जिसके बाद पुलिस ने स्कूटी को जब्त कर थाने ले जाने लगी। इसी के बाद सड़क पर हाईवोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। रोड पर काफी ड्रामे के बाद महिला स्कूटी पर पुलिस के साथ बैठी और थाने पहुंची। पति भी पीछे-पीछे आया। थाने पर पहुंचने के बाद महिला और उसके पति ने पुलिस से रिक्वेस्ट किया कि दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी और जो पेंडिंग चालान है, अगले 15 दिनों के अंदर भर दिया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने स्कूटी सहित दोनों को छोड़ दिया।

आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करने के उद्देश्य से जेलों में मारे जा रहे छापे

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलिजेंस' शाखा ने बुधवार को उच्च सुरक्षा मानकों वाली कोट भलवाल जेल में छापा मारा। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय जेल में छापे मारे जा रहे हैं जिनमें कट्टर पाकिस्तानी और स्थानीय आतंकवादियों के अलावा कुख्यात अपराधी भी बंद हैं। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी एक ऐसे अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जेल के अंदर से कथित तौर पर चलाए जा रहे आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करना है। दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला के पास हुए कार विस्फोट और कुछ चिकित्सकों के सफेदपोश आतंकी नेटवर्क के हालिया खुलासे के बाद संचालित एक बड़े अभियान की पृष्ठभूमि में कोट भलवाल जेल पर छापा मारा गया है। अभी इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है।

दिल्ली के स्कूल में खेल गतिविधि पर लगे रोक... प्रदूषण पर हर माह सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर का क्षेत्र इनदिनों धुएं का चैंबर बने हुए हैं। इस लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में स्कूलों में होने वाले स्पोर्ट्स कार्यक्रम पर रोक लगाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सीनियर वकील अपराजिता सिंह के सवाल पर दिया। सिंह ने कहा था कि, दिल्ली में मौजूदा वक्त में प्रदूषण के स्तर को देखकर इसतरह की खेल गतिविधि बच्चों को गैस चैंबर में डालने जैसा है। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के.विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया ने कहा कि, वे पॉल्यूशन को लेकर हर महीने सुनवाई करने वाले हैं। ताकि इसका स्थायी समाधान निकला जा सके। इसके अलावा कोर्ट ने दिल्ली में ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता देने का भी आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता दी जाए। राज्य वायु प्रदूषण कम करने के लिए आवश्यक रोकथाम उपाय लागू करें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन उपायों की नियमित समीक्षा की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण से जुड़ा मामला हर महीने लिस्ट किया जाए, ताकि इसकी लगातार निगरानी की जा सके।

किऊल जंक्शन आरएमएस ऑफिस में भीषण आग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के लखीसराय जिले के किऊल जंक्शन स्थित रेल डाक सेवा (आरएमएस) ऑफिस में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से आरएमएस कार्यालय में रखे गए लाखों रुपये के महत्वपूर्ण सामान, दस्तावेज, डाक, पैकेज और दफ्तरी सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की खबर मिलते ही रेलकर्मी और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। सीमित संसाधनों के कारण शुरुआती प्रयासों में आग पर काबू पाना मुश्किल हुआ। इसके बाद में फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सौभाग्य से इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण (आशंका)- फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बरसात के कारण 32 नए भूस्खलन जोन बने

-डीपीआर तैयार करके केंद्र सरकार के पास भेजने की तैयारी

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (बदरीनाथ हाईवे) पर भारी बरसात के कारण 32 नए भूस्खलन जोन बन गए हैं। हाईवे पर अब 45 पुराने चिह्नित जोन के अलावा 32 नए भूस्खलन जोन हो गए हैं। भूस्खलन और भूधंसाव के कारण हाईवे कई जगहों पर अति संवेदनशील हो गया है। टीएचडीसी (टीएचडीसी) के विशेषज्ञ दल ने इन 32 नए भूस्खलन जोन का स्थलीय निरीक्षण कर दिया है। टीएचडीसी द्वारा अब डीपीआर (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जिसे स्थायी ट्रीटमेंट के लिए भारत सरकार को भेजा जाएगा। ऑलवेदर रोड परियोजना में 2016 में चौड़ीकरण शुरू होने के बाद कटान से जगह-जगह भूस्खलन जोन पैदा हुए थे। पहला चरण में 22 चिह्नित भूस्खलन जोन का स्वाइल एवं रॉक एंकरिंग तकनीक से स्थायी ट्रीटमेंट किया जा रहा है (70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा)। दूसरा चरण में 24 भूस्खलन जोन के स्थायी ट्रीटमेंट के लिए डीपीआर को स्वीकृति मिल चुकी है। सम्राट होटल से नरकोटा तक करीब एक किलोमीटर का क्षेत्र सबसे ज्यादा संवेदनशील है, जहां पहाड़ी दरक रही है और अक्सर यातायात बाधित होता है। तोताघाटी के संवेदनशील जोन में ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत तीखे मोड़ खत्म कर दिए गए हैं और सुरक्षा दीवार का निर्माण हो रहा है।

नए भूस्खलन जोन वाले कुछ स्थान: स्वीत पुल, सम्राट होटल के समीप, फरासू, बद्रपुरी, तिमलानानी, शिवपुरी, कौड़ियाला, महादेव चट्टी, सकनीधार, भीत गांव, देवप्रयाग संगम, मुल्यागांव, मलेथा, कीर्तिनगर के समीप, और उफल्डा। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण खंड, श्रीनगर गढ़वाल के अधिशासी अभियंता, राजवीर सिंह चौहान के अनुसार, जल्द ही स्थायी सुधारीकरण के लिए डीपीआर तैयार होगी और आगामी यात्राकाल तक हाईवे की स्थिति काफी ठीक हो जाएगी।

जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू : भागवत

गुवाहाटी (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जोर देकर कहा कि हिंदू धर्म धार्मिक अर्थों से बंधा नहीं है, बल्कि समावेशी है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर मुसलमान और ईसाई इस देश की पूजा करते हैं, भारतीय संस्कृति का पालन करते हैं, यहां तक कि अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को छोड़े बिना भी, तब वे भी हिंदू हैं। आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत असम की अपनी यात्रा के दौरान बुद्धिजीवियों, विद्वानों, संपादकों, लेखकों और उद्यमियों के समूह को संबोधित कर भागवत ने कहा कि जो लोग मातृभूमि के प्रति समर्पण, हमारे पूर्वजों के गौरव और हमारी संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाते हैं, वे सभी हिंदू हैं।हिंदू धर्म को धार्मिक अर्थों में नहीं लिया जाना चाहिए। हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति केवल भोजन और पूजा नहीं है। यह समावेशी है।

भागवत ने कहा कि जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। संघ प्रमुख भागवत ने दावा किया कि हिंदू केवल एक धार्मिक शब्द नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू पर्यायवाची हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र होने के लिए किसी आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता नहीं है। इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इस बात को दर्शाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी।

इनमें से, आरएसएस प्रमुख ने परिवार संस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया और हर परिवार से अपने पूर्वजों की कहानियों को संजोने और युवा पीढ़ी में जिम्मेदारी और सांस्कृतिक गौरव का संचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसे आदर्शों से सभी भारतीयों को प्रेरणा मिलनी चाहिए, भले ही उनका जन्म किसी विशेष प्रांत में हुआ हो, लेकिन वे हमारे राष्ट्रीय आदर्श हैं।

भागवत ने स्वतंत्रता संग्राम में आरएसएस स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन में डॉ. हेडगेवार के कारावास और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान देश भर के अनगिनत स्वयंसेवकों के योगदान को याद किया

एसआईआर के चलते 500 बांग्लादेशी भागे, पश्चिम बंगाल में मच रही भगदड़

कोलकाता। एजेंसी।। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों में हड़कंप मचा हुआ है। वजह ये है कि एसआईआर को लेकर यहां गहन जांच पड़ताल चल रही है इसके तहत घर-घर जाकर बूथ लेवल ऑफिस मतदाताओं की जानकारी ले रहे हैं। इसमें पूछा जा रहा है कि क्या आपका 2003 की वोटर लिस्ट में नाम था। यदि नहीं था तो फिर आपके परिवार के किन सदस्यों का नाम था। ऐसी तमाम जानकारियां हैं, जो संदिग्ध लोग नहीं दे पाएंगे। यही वजह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों में इसका खौफ देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल से आई जानकारी के मुताबिक एसआईआर के खौफ से 500 बांग्लादेशी भाग खड़े हुए हैं। इन लोगों ने बांग्लादेश छोड़ दिया है और किसी तरह सीमा पार कर गए हैं। बीएसएफ ने यह जानकारी दी है, जिसने इन लोगों को इंटरसेप्ट किया था। बीएसएफ का कहना है कि सीमा पर पकड़े जाने वाले लोगों को एक प्रक्रिया के तहत वापस भेजा जाता है। पहले इन लोगों की पहचान स्पष्ट की जाती है। फिर इनका बेसिक डेटा जुटाया जाता है और बांग्लादेश के अपने समकक्ष अधिकारियों से बात करने के बाद बीएसएफ की ओर से इन्हें वापस भेजा जाता है। सोमवार को ये लोग नार्थ 24 परगना जिले के स्वरूपनगर के पास स्थित हाकिमपुर चेक पोस्ट से निकले हैं। बीएसएफ की 143वीं बटालियन ने इन लोगों के मूवमेंट को देखा तो संदेह होने पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। सूत्र के हवाले से लिखा है कि यह इस साल की सबसे बड़ी मूवमेंट है, जब इतनी संख्या में अवैध बांग्लादेशी भारत से निकले हैं। एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों को देश छोड़ते देखा जा रहा है। बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि इन 500 लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि वे अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। उनके पास कोई वीजा, पासपोर्ट या पहचान पत्र नहीं है इनमें से कई लोगों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के बिराटी, मध्यमग्राम, राजरहाट, न्यू टाउन और सॉल्ट लेक जैसे इलाकों में घरेलू सहायक, दिहाड़ी मजदूर और निर्माण कार्यों में लगे रहे हैं। वे इन इलाकों में सालों से रह रहे थे।

एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक... अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा

-कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चल रहा है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक होने पर अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा।

आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर यह बयान दिया। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी बैठकों में मौजूद थे। बंगाल में 18 नवंबर की शाम 6 बजे तक 7.63 करोड़ गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। कुल 1.09 करोड़ फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं।

दूसरी तरफ, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश में एक-एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आत्महत्या कर चुके हैं। पश्चिम बंगाल में एक बीएलओ ने आत्महत्या की धमकी दी है। मंगलवार को तमिलनाडु के तंजावुर में एक आंगनवाड़ी सेविका ने जान देने की कोशिश की। इनके परिवारों और अन्य अधिकारियों ने अत्यधिक काम के दबाव का आरोप लगाया है। कई बीएलओ का आरोप है कि काम के लंबे घंटे और दिसंबर तक की डेडलाइन ने उन्हें थककर चूर कर दिया है। कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया है। आयोग अब अधिकारियों के कार्यभार और जवाबदेही को लेकर सवालों का सामना कर रहा है। चुनाव आयोग ने बताया कि 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 51 करोड़ मतदाताओं में से 50.25 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बंट गए हैं। लोग फॉर्म भरने के बाद वापस जमा करते हैं। इसके बाद डिजिटलीकरण का काम होता है। केरल में अब तक सबसे कम, राजस्थान में सर्वाधिक फॉर्म डिजिटलीकरण के लिए वापस आए हैं।

आत्महत्या इस्लाम में हराम और निर्दोष लोगों की हत्या करना बहुत बड़ा पाप

-सुसाइड बॉम्बिंग को 'शहादत' बताने वाले आतंकी उमर को ओवैसी का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बम धमाका करने वाला आतंकी उमर फिदायीन हमलों को मजहब का सबसे अच्छा काम मानता था। उमर के फोन से निकले एक वीडियो में वह इसे इस्लाम में जायज ठहराने की कोशिश करता नजर आया। अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकी के कुतर्कों का जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की कायराना हरकत इस्लाम में हराम है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका करके मासूम लोगों की जान लेने वाले आतंकी का मोबाइल फोन कश्मीर से बरामद किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले वह अपने घर गया था और अपने भाई को एक फोन यह कहकर दे आया था कि यदि उसके बारे में कोई जानकारी आए तो इसे पानी में फेंक देना। अब पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लेकर फोन बरामद कर लिया है तो उसमें यह वीडियो सामने आया। वीडियो में उमर नबी फिदायीन हमले को जायज ठहराते हुए कहता है कि इसे गलत समझा जा रहा है और इसके खिलाफ कई तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन सुसाइड बॉम्बिंग शहादत का अभियान है जिसे इस्लाम में भी इसी रूप में बताया है।

ओवैसी ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपी उमर का एक बिना तारीख वाला वीडियो सामने आया है जिसमें वह सुसाइड बॉम्बिंग को शहादत और गलत समझा गया बताते हुए उचित ठहरा रहा है। ओवैसी ने कहा कि आत्महत्या इस्लाम में हराम है और निर्दोष लोगों की हत्या बहुत ही बड़ा पाप है। इस तरह की हरकत कानून के भी खिलाफ है। इसे किसी भी तरह से गलत नहीं समझा गया है। यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

एआईएमआईएम नेता ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह की ओर से किए गए दावे का जिक्र करते हुए पूछा कि इस समूह का पता नहीं लगा पाने के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान अमित शाह ने संसद को भरोसा दिलाया था कि पिछले छह महीने में कोई भी स्थानीय कश्मीरी आतंकवादी समूहों में शामिल नहीं हुआ। तब यह समूह कहां से आया? इस समूह का पता नहीं लगा पाने के लिए कौन जिम्मेदार है?

अमेरिका को भारतीयों ने दिखाई औकात, 17 प्रतिशत छात्रों की संख्या हुई कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीजा के नाम पर अकड़ दिखाने वाले अमेरिका के भारतीय छात्रों ने होश ठिकाने ला दिए हैं। वहां पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 17 प्रतिशत घट गई है। इसके वजह से विश्व विद्यालयों की हालत खराब होने लगी है। बताया जा रहा है कि छात्रों की निरंतर घटती संख्या के कारण कॉलेजों की सीटें खाली होती जा रही हैं। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में इस वर्ष बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 सेशन में नए अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन 17 प्रतिशत कम हो गया है। यह कमी उस समय सामने आई है जब अमेरिका ने छात्र वीजा और इमिग्रेशन नियमों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक गिरावट भारतीय छात्रों के नामांकन में दर्ज की गई है। भारत अभी भी अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए सबसे बड़ा स्रोत है, लेकिन सख्त वीजा नीतियों के चलते अब बड़ी संख्या में छात्र पीछे हट रहे हैं। इससे भारतीय छात्रों की भविष्य की योजनाओं पर बड़ा असर हो सकता है, खासकर स्टेम और रिसर्च आधारित प्रोग्राम्स में।

रिपोर्ट इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) ने 825 अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों के आधार पर जारी की है। इंडियन स्टूडेंट्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन संस्थानों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें से 96 प्रतिशत ने वीजा आवेदन से जुड़े नियम और जटिलताओं को मुख्य कारण बताया, जबकि 68 प्रतिशत ने यात्रा प्रतिबंधों को जिम्मेदार माना। यह स्पष्ट संकेत है कि छात्रों की पहली चिंता अमेरिका का वीजा प्रोसेस बन गया है, जो अब लंबा, अनिश्चित और कई बार निराशाजनक साबित हो रहा है।ट्रम्प प्रशासन ने पिछले साल से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए कई नीतिगत बदलाव लागू किए हैं, जिनमें सोशल मीडिया अकाउंट की जांच, वीजा सीमा तय करने के प्रयास और अतिरिक्त जांच प्रक्रियाएं शामिल हैं। कई छात्रों के वीजा नवीनीकरण में देरी हुई है, जबकि कुछ मामलों में वीजा रद्द भी किए गए। कई यूनिवर्सिटीज ने बताया कि छात्र वीजा प्रक्रिया की देरी और अस्थायी रोक के कारण छात्र समय पर अमेरिका नहीं पहुंच सके। यही वजह है कि कई छात्रों ने विकल्प के तौर पर कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों का रुख किया है।अमेरिका में इस समय लगभग 12 लाख विदेशी छात्र पढ़ते हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में करीब 55 अरब डॉलर का योगदान करते हैं। ये छात्र आमतौर पर फुल ट्यूशन फीस देते हैं और अधिकतर वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होते। इसलिए विश्वविद्यालयों को भारी आर्थिक झटका लग रहा है, खासकर ऐसे समय में जब घरेलू नामांकन भी घट रहा है और सरकारी फंडिंग में कटौती हो रही है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 29 प्रतिशत संस्थानों ने नए दाखिले में वृद्धि देखी है, जबकि 14प्रतिशत में स्थिति स्थिर रही। लेकिन 57 प्रतिशत संस्थानों में गिरावट दर्ज की गई, यानी कुल तस्वीर अभी भी चिंताजनक है।